आज का सुविचार

तितली महीने नहीं क्षण गिनती है, और उसके पास पर्याप्त समय होता है।

रबिन्द्रनाथ टैगोर

दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

वर्ष-4 अंक-339 भोपाल, बुधवार 20 अक्टूबर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

पंचांग

आश्विन शुक्ल पक्ष पंचमी, बुधवार 22 विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:19/5:5
वर्षा/बादल %	10 %
नमी %	80 %
वायु (किमी/घं.)	15
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	31°/22°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तौला

₹ 48,830

शेयर सूचकांक

बीएसई	61716.05	-49.54
निफ्टी	18418.75	-58.30

सिंघु हत्याकांड पर फूटा 'फोटो बम': निहंग प्रमुख का सम्मान करते कृषि मंत्री तोमर की फोटो वायरल, किसान नेता बोले- लखबीर की हत्या भाजपा की साजिश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सिंघु बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन में दशहरे की सुबह हुई पंजाबी युवक लखबीर सिंह की हत्या के बाद अब सोशल मीडिया पर कुछ फोटो तेजी से वायरल हो रही हैं। इसमें केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर सिंघु बॉर्डर पर बैठे निहंग जत्थेबंदियों के प्रमुखों में शामिल बाबा अमन सिंह को सिरोपा पहनाकर उनका सम्मान कर रहे हैं। फोटो में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री कैलाश चौधरी और दूसरे भाजपा नेता भी नजर आ रहे हैं। तस्वीर जुलाई 2021 में कैलाश चौधरी के आवास की है। फोटो सामने आने के बाद संयुक्त किसान मोर्चा ने लखबीर सिंह की हत्या को साजिश बताकर भाजपा पर सवाल उठाए हैं। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता और किरती किसान यूनियन के प्रदेश उपाध्यक्ष रजिंदर सिंह दीपसिंहवाला ने कहा कि बाबा अमन सिंह और भाजपा नेताओं के बीच हुई इस मीटिंग के बाद गंदी राजनीति की बू आ रही है।

3 फोटो आईं सामने

भाजपा नेताओं के साथ निहंग बाबा अमन सिंह की 3 फोटो सामने आई हैं। ये फोटो जुलाई 2021 की हैं। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री कैलाश चौधरी के घर ली गई इन फोटो में बाबा अमन सिंह के साथ केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर, कैलाश चौधरी, लुधियाना के भाजपा किसान सेल के राष्ट्रीय सचिव सुखमिंदरपाल सिंह ग्रेवाल, पंजाब पुलिस से बर्खास्त किए जा चुके विवादित इंस्पेक्टर गुरमीत सिंह 'पिंकी' और कुछ अन्य लोग दिखाई दे रहे हैं। एक फोटो में नरेंद्र सिंह तोमर बाबा अमन सिंह को सिरोपा पहना रहे हैं, तो दूसरी फोटो में बाबा अमन सिंह डाइनिंग टेबल पर बैठकर केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा नेताओं के साथ खाना खा रहे हैं।

किसान मोर्चा ने ट्वीट की फोटो

मंगलवार को संयुक्त किसान मोर्चा ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और निहंग बाबा अमन सिंह की फोटो ट्वीट की। गौरतलब है कि सिंघु बॉर्डर पर लखबीर सिंह की हत्या करने के आरोप में जिन चार निहंगों सरबजीत सिंह, नारायण सिंह, भगवंत सिंह और गोविंदप्रीत ने सरेंडर किया है, वह चारों ही बाबा अमन सिंह की जत्थेबंदी से ही ताल्लुक रखते हैं। सरबजीत सिंह, भगवंत सिंह और गोविंदप्रीत के सरेंडर के दौरान बाबा अमन सिंह खुद आगे रहे थे।

मोर्चा पहले ही उठा चुका घटना की जांच की मांग:- संयुक्त किसान मोर्चा के नेता राकेश टिकैत, योगेंद्र यादव और बलवीर सिंह राजेवाल पहले ही कह चुके हैं कि सिंघु बॉर्डर पर हुई हत्या की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। अगर बेअदबी हुई है तो उसके सबूत भी सामने आने चाहिए और हत्यारों को सजा होनी चाहिए। किसान नेताओं ने कहा कि वह निहंगों को सिंघु बॉर्डर से जाने के लिए कह चुके हैं क्योंकि यह कोई धार्मिक मोर्चा नहीं है। यह किसानों का मोर्चा है मगर निहंग जत्थेबंदियां उनकी बात नहीं मान रहीं।

बढ़ सकती हैं निहंगों की मुश्किलें:- भाजपा नेताओं और निहंग बाबा अमन सिंह की फोटो सामने आने के बाद सिंघु बॉर्डर पर बैठी निहंग जत्थेबंदियों की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। निहंगों का कहना है कि लखबीर की हत्या इसलिए की गई क्योंकि उसने बेअदबी की। निहंगों ने उन्हें वापस लौटने की सलाह देने वाले संयुक्त किसान मोर्चा के नेता योगेंद्र यादव पर भी निशाना साधा मगर भाजपा नेताओं के साथ बाबा अमन सिंह की फोटो सामने आने के बाद उनके लिए इसका बचाव करना मुश्किल होगा।

वर्षा से प्रभावित फसलों की क्षति का सर्वे कराया जायेगा : मुख्यमंत्री चौहान

सर्वे कर देंगे सहायता राशि

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश के कुछ स्थानों पर फसलों को गत दो दिवस में हुई वर्षा से क्षति हुई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वे सभी किसान भाई-बहनों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि इस वर्षा से प्रभावित किसानों को आवश्यक राहत प्रदान की जाएगी। इस उद्देश्य से प्रभावित क्षेत्रों में फसलों की क्षति के सर्वे के निर्देश दिए गए हैं। क्षति का आंकलन होने पर प्रभावितों को सहायता राशि मिलेगी। किसानों को फसल बीमा योजना का लाभ भी दिलवाया जाएगा। इसके लिए आवश्यक प्रबंध किए जाएंगे। राज्य सरकार किसानों के इस कष्ट में पूरी तरह उनके साथ है। मध्यप्रदेश सरकार किसान हितैषी सरकार है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज मंत्रि-परिषद की वर्चुअल बैठक वंदे-मातरम गायन के साथ शुरू हुई।

किसानों और घरेलू उपभोक्ताओं के लिए खजाने से देंगे राशि

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अलग-अलग श्रेणी के किसानों और घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सस्ती बिजली देने के लिए सरकार ने अपने खजाने से राशि देने का निर्णय लिया है। सरकार की तरफ से बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी दी जाएगी। किसानों को सस्ती बिजली इसलिए मिलती है क्योंकि सरकार ने खजाने से राशि देती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कोयले की दरें बढ़ने के कारण उत्पन्न समस्याओं के बावजूद बिजली की आपूर्ति बाधित नहीं होने दी जाएगी। बिजली कंपनी को सहायता की आवश्यकता थी। आज दुनिया भर में बिजली संकट है। बहुत से विकसित देश भी इससे जूझ रहे हैं। प्रधानमंत्री जी भी समस्या से अवगत हैं। वे मध्यप्रदेश को कष्ट नहीं होने देंगे। उनके स्तर से भी आवश्यक सहयोग मिल रहा है। घरेलू उपभोक्ताओं को भी लगभग 4900 करोड़ की सब्सिडी हम देते हैं। तब कहीं सस्ती बिजली मिलती है। कुल मिलाकर 20 हजार 700 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी देने का निर्णय लिया गया है। इससे किसानों और घरेलू उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मिल सकेगी।

कम करें बिजली खर्च

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि यह जरूरी है कि संकट के इस दौर में अनावश्यक विद्युत का उपयोग न हो। जरूरत के अनुसार ही बिजली का इस्तेमाल हम सभी के हित में है। सभी लोग बिजली बचाने का प्रयत्न करें। यथासंभव हम बिजली बचाएँ।

पीएम को अंगूठाछाप बताया, अब ट्वीट डिलीट

कर्नाटक के कांग्रेस चीफ डीके शिवकुमार ने नौसिखिया सोशल मीडिया मैनेजर पर दोष मढ़ा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कर्नाटक कांग्रेस ने मंगलवार को अपने उस ट्वीट के हटा दिया जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अंगूठा-छाप और अनपढ़ बताया था। इस ट्वीट के लिए कांग्रेस ने खेद भी व्यक्त किया। कर्नाटक कांग्रेस के चीफ डीके शिवकुमार ने कहा, कर्नाटक कांग्रेस के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल से नौसिखिए सोशल मीडिया मैनेजर की ओर से किया गया एक असभ्य ट्वीट खेदजनक है और वापस ले लिया गया है।

देश अंगूठा छाप मोदी के कारण भुगत रहा:- कर्नाटक कांग्रेस ने कन्नड़ में किए अपने ट्वीट में कहा था, कांग्रेस ने स्कूल बनाए लेकिन मोदी कभी पढ़ने नहीं गए। कांग्रेस ने वयस्कों को भी पढ़ाने के लिए कई योजनाएं बनाईं, लेकिन प्रधानमंत्री ने यहां भी कुछ नहीं सीखा। जिन लोगों ने भिक्षावृति पर प्रतिबंध के बावजूद भीख मांगना चुना, वे आज आम लोगों को भीख मांगने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। देश अंगूठाछाप मोदी के कारण भुगत रहा है।

भाजपा ने कहा- केवल कांग्रेस ही इतना गिर सकती है

कांग्रेस पार्टी के इस ट्वीट को लेकर भाजपा की प्रवक्ता मालविका अविनाश ने कहा था, केवल कांग्रेस ही इतना नीचे गिर सकती है। ऐसी टिप्पणी जवाब देने लायक भी नहीं है। कर्नाटक में सिंदगी और हंगल विधानसभा क्षेत्रों के लिए 30 अक्टूबर को उपचुनाव होंगे। जनता दल सेक्युलर और भाजपा के विधायकों के निधन के बाद ये सीटें खाली हुई थीं। सत्तारूढ़ भाजपा के लिए बहुत कुछ दांव पर है क्योंकि बसवराज बोम्मई के बाद बीएस येदियुरप्पा की जगह मुख्यमंत्री बनने के बाद यह पहला वोट है।

LOC के दौरे पर आर्मी चीफ

गैर कश्मीरियों की हत्या के बीच सेना प्रमुख 2 दिन के जम्मू दौरे पर, व्हाइट नाइट कोर ने LOC के हालात बताए

जम्मू। कश्मीर में गैर कश्मीरियों पर बढ़ते हमलों के बीच आर्मी चीफ जनरल मनोज मुकुंद नरवणे मंगलवार को 2 दिन के दौरे पर जम्मू पहुंचे। उन्होंने यहां LOC के फॉरवर्ड बेस में तैनात व्हाइट नाइट कोर के जवानों से मुलाकात की। इस दौरान उन्हें कोर के सैन्य अधिकारियों ने LOC पर हालात की जानकारी दी। कश्मीर घाटी में पिछले कुछ दिनों से गैर कश्मीरियों की चुन-चुनकर हत्या की जा रही है। इस महीने घाटी में आतंकवादियों ने 11 नागरिकों की हत्या की है।

क्या है वाइट नाइट कोर

व्हाइट नाइट कोर की स्थापना 1 जून 1972 में हुई थी। सेना की यह यूनिट LOC की सुरक्षा करने के साथ-साथ आतंकवाद का मुकाबला भी करती है। इस कोर पर जम्मू-कश्मीर के स्थानीय लोगों के लिए सशक्तिकरण कार्यक्रम चलाने की भी जिम्मेदारी है।

लखीमपुर हिंसाःकिसानों को रौंदने वाली जीप में सवार आरोपी सुमित गिरफ्तार

नई दिल्ली। लखीमपुर हिंसा में सोमवार को पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। प्रदर्शन कर रहे किसानों को कुचलने वाली थार जीप में सवार सुमित जायसवाल को पुलिस ने लखीमपुर से गिरफ्तार किया है। उसके साथ तीन अन्य को भी पकड़ा गया है। इन सभी को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। सुमित का एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें वह जीप से उतरकर भागता हुए दिखा था।

जारी है बारिश का कहर : उत्तराखंड में अब तक 16 लोगों की मौत, उफान में बह गया नदी का पुल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

देशभर में बारिश का कहर जारी है। उत्तराखंड से लेकर केरल तक भारी बारिश के चलते लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ और भूस्खलन के चलते कई लोगों की जिंदगी खतरे में आ गई है। इसी बीच उत्तराखंड के बद्रीनाथ नेशनल हाईवे से एक वीडियो सामने आया है। राज्य में दो दिन में 16 लोगों की मौत हुई है। सोमवार शाम हाईवे के पास उफनते लामबगड़ नाले में फंसी एक कार को क्रेन की मदद से निकाला गया। कार में यात्री भी सवार थे। भूस्खलन के चलते कार नाले में पत्थरों की वजह से फंस गई थी। बॉर्डर रोड्स ऑर्गेनाइजेशन ने इसका रेस्क्यू किया। वहीं उत्तराखंड के चंपावत में चल्थी नदी में पानी के तेज बहाव की वजह से अंडर कंस्ट्रक्शन ब्रिज गह गया।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

आईआरसीटीसी ने निवेशकों को किया मालामाल

आईआरसीटीसी ने 100 रुपए के निवेश को किया 2000, मार्केट कैप 1 लाख करोड़

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

लगातार धमाल मचा रहे दो शेयर्स आज भी जबरदस्त तेजी में हैं। आईआरसीटीसी का शेयर आज सुबह 8 फीसदी बढ़कर नई ऊंचाई 6,375 रुपए पर पहुंच गया है। इसका मार्केट कैप पहली बार 1.01 लाख करोड़ रुपए हुआ है। मार्केट कैप के लिहाज से यह 52वीं सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। आईआरसीटीसी के शेयर ने एक साल में 5 गुना से ज्यादा का रिटर्न दिया है। एक साल पहले यह 1291 रुपए पर था। अभी 6,300 रुपए के ऊपर है। एक महीने की बात करें तो इस शेयर ने करीब दोगुना रिटर्न दिया है। एक महीने पहले इस शेयर का भाव 3,550 रुपए था और तब यह कंपनी 92वें पायदान पर थी। एक हफ्ते में शेयर ने 1,500 रुपए का फायदा दिया है। यह एक हफ्ते पहले 4,800 रुपए पर था।

- आज यह शेयर 911 रुपए पर पहुंचा
- 175 रुपए पर आया था IPO
- 471 पर 1 अक्टूबर को लिस्ट हुआ था शेयर
- 19 दिनों में 100 रुपए का निवेश 500 हुआ

मार्केट कैप बढ़कर दोगुना हुआ

इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन का मार्केट कैप एक महीने पहले 48 हजार करोड़ रुपए था। तब से यह दोगुना बढ़ चुका है। बाजार आज 62 हजार के आंकड़े को पार कर गया है और बाजार की लगातार तेजी में आईआरसीटीसी का शेयर रोज नई ऊंचाई छू रहा है। जानकार मानते हैं कि आईआरसीटीसी का शेयर अभी भी तेजी में रह सकता है। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट के संतोष मीणा कहते हैं कि आईआरसीटीसी का शेयर अभी भी तेजी वाले माहौल में है। इस साल में इस शेयर ने अच्छी तेजी दिखाई है। कोविड की वजह से यह कंपनी जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। संतोष मीणा कहते हैं कि रेलवे के असेट मोनेटाइजेशन प्लान से इस कंपनी के शेयर को और तेजी मिल सकती है।

आईटीडीसी Classifieds
वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

प्लाट बेचना है 1000 स्क्वयर फीट स्वदेश नगर थाना अशोका गार्डन के पीछे भोपाल कांटेक्ट नंबर- 9893962422, 7000859059

Prime property sale at polytechnic Square 8000 Sqfeet arera colony 11000 Sqfeet Corner chunabhatti 18000 Sqfeet plot main road & 4000 Sq feet Belding corner please contact 7987423633

बेचना है जंहागीराबाद की प्राइम लोकेशन पर रम्भा सिनेमा के पास 1230 sqft प्लाट पे 2 मंजिला मकान 10 कमरों के साथ मात्र 53 लाख मे संपर्क करें 7835920099

तुरंत बेचना है 18 लाख मे 2 BHK घर, कवर्ड कैंपस ग्लेक्सी सिटी अवधपुरी में, हबीबगंज रेल्वे स्टेशन 6.5 K M दुरी संपर्क, 8889911680,7611127324 ,7611106304

डुप्लेक्स मकान बेचना एसओएस बालग्राम वाली मैनरोड पर शिवलोक फेस-4 के पास कवर्ड कैंपस कॉलोनी में नया बना कीमत मात्र 30 लाख संपर्क 626444558, 6266978675.

बेचना है, डीप फ्रिज़र (वोल्टाज) ब्रांड न्यू 3 महीने पुराने, 500 ली. केपेसीटी (7 नग) रूपये 25000/- प्रति नग सम्पर्क 7000735468

For Immediate sale 2 BHK + furnished flat, vitrified tiles, modular kitchen, wardrobe, CCTV camera, parking, secured campus, Vardhman Green Park Ashoka garden call 9425028873

प्रोपर्टी खरीदना है भोपाल नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत प्लाट 1500-3000 Sqft, की ऑफिस चाहिये, 9451371422, 9329334701

5BHK + 3 Caqr parkings B1/501 (Brand new flat) For sale- Paras Urbane Park Bawadia kala (2Km from aura Mall)-(Saparate Servant Entry) 9893262222

5000 वर्गफीट का फार्महाउस बेचना फॉरचून लैंडमार्क मिसरोद से 2 किलोमीटर दूरी पर 30 फिट सीमेंट रोड पर कीमत 800 वर्गफीट 9174029757, 9340628575

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

With 2AC, 2 bhk fully furnished in Rohit Nagar Rent 14500/- Contact@ 8962643902, 8965979432.

1st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

किराये से देना शॉप 670 स्क्वायर फीट शॉप नंबर-42 ग्राउंड फ्लोर की आकृति बिजनेस सेंटर, रोहित नगर मेन रोड, बावड़िया कला भोपाल मो 9993418989, 7000155290

किराये से देना है, MIG-198, इन्दीरा नगर (मकोडिया आम) आगर रोड, उज्जैन 1 BHK, लेटबाथ, सम्पूर्ण मकान खुला हुआ है 7000735468

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

2BHK फर्निश्ड ग्राउंड फ्लोर. किराये से देना है कवर्ड कैंपस वर्धमान ग्रीन पार्क कॉलोनी अशोका गार्डन 24घंटे पानी. पार्किंग सर्वसुबिधायुक्त, फैमिली को प्राथमिकता 9826225200

3BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Apparthment opp board office MP nagar Rent- 23000 Contact 8889996171

98 Rohit Nagar – 1, Big 2BHK ground floor of independent house with 24hrs water for service class , pure vegetarian family only. Contact – 9620020829, 9827328523

Tolet मैंन अयोध्या बाईपास रोड पर रिंगाल ट्रेजर के पास 3200 वर्गफुट कमर्शियल स्पेस रेस्टोरेंट, बैंक ऑफिस, शोरूम, कोचिंग 9993902345,9425008604

ITDC JOB आवश्यकता

Work from home part/full time work opportunity. Work (3-4), Students, Job person, housewives, businessman can apply. For more details call 9039890418, 9109793667

Urgently Requirement in Green Land Survey Sultaniya Road Kohefiza Bhopal. Work in Autocad Software 2D (Female), Total Station & DGPS Operator, Tally Calling (Female) Mob. 8435999875 (Mohammad Zeeshan)

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLENCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC JOB आवश्यकता

आवश्यकता है दुकान पर कार्य करने हेतु लड़के / लड़कियों की जो की दुकान पर से सेल्स कार्य कर सके वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क – 9303130069, 9827494909

Urgent required Female Office Assistant, (Graduate) office in Maharana Pratap Nagar, Knowledge of computer (Excle) is must. Salary 8000/- Forward Biodata, Mobile :9111930111.

आवश्कता है सेल्समेन एवं मार्केटिंग मेनेजर की अनुभवी को प्राथमिकता स्वयं का दोपहिया आवश्यक, एवरेस्ट रिसोसेंज , होटल वाव, अयोध्या बायपास भोपाल संपर्क - 9206669999, 9425009983

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क D K 3 / 1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिंग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रुपेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN 60 SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

खबर की खबर

आदिवासी ब्लॉकों में 'राशन आपके द्वार' योजना को मंजूरी, बिजली सब्सिडी देगी सरकार

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने उपचुनाव से पहले बड़ा सियासी दांव खेला है। प्रदेश सरकार ने प्रदेश के करीब 23 लाख से ज्यादा आदिवासी परिवारों को बड़ी सौगात दी है। शिवराज कैबिनेट ने मंगलवार को प्रदेश के 79 आदिवासी ब्लाकों (विकासखंडों) में 'राशन आपके द्वार' योजना को मंजूरी दे दी है। यह योजना फिलहाल उपचुनाव वाले क्षेत्रों में शुरू नहीं होगी। इसके अलावा सरकार ने सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लिए कंपनियों को 20,700 करोड़ रुपये बतौर सब्सिडी देने का निर्णय लिया है।

इसमें 15 हजार 700 करोड़ किसानों व 5 हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी घरेलू उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के एवज में सरकार वहन करेगी।

प्रदेश सरकार के प्रवक्ता गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि राशन आपके द्वार योजना के अंतर्गत उचित मूल्य की राशन दुकानों से खाद्यान्न गांव-गांव तक पहुंचाने के लिए आदिवासियों को लोन दिलाकर वाहन खरीदवाएं जाएंगे। सरकार ब्याज अनुदान के साथ प्रोत्साहन राशि भी देगी। यही नहीं, योजना में काम करने वाले व्यक्ति को हर माह प्रोत्साहन राशि भी देगी। इसके अलावा, अन्य खर्च के लिए भी राशि अलग से दी जाएगी। प्रस्तावित योजना का लाभ प्रदेश के 23.80 लाख परिवारों को मिलेगा। योजना के तहत 7511 गांवों में रहने वाले सार्वजनिक वितरण प्रणाली के हितग्राहियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने का काम करीब साढ़े 4 हजार उचित मूल्य की दुकानों से किया जाता है। हितग्राहियों को खाद्यान्न लेने के लिए दूर-दूर से आना पड़ता है।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 18 सितंबर को जबलपुर में शंकरशाह- रघुनाथ शाह शहीदी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में 'राशन आपके द्वार' योजना लागू करने की घोषणा की थी। डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बताया कि आदिवासी दिवस पर 15 नवंबर को सरकार भोपाल में बड़ा आयोजन करेगी।

किसानों व घरेलू बिजली के लिए सब्सिडी

विद्ययुत नियायक आयोग द्वारा इसी साल 30 जुलाई को जारी की गई बिजली की नई टैरिफ दरों में राज्य सरकार की ओर से सब्सिडी देने के ऊर्जा विभाग के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि कैबिनेट की बैठक में तय किया है कि अलग-अलग श्रेणी के किसानों व घरेलू उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने 20,700 करोड़ की सब्सिडी सरकार देगी। उन्होंने कहा कि बिजली की आपूर्ति बाधित नहीं होना चाहिए।

खबर, केवल खबर होती है
आपका अखबार है
सटीक, सच्ची, सारगर्भित,
खबर की तह तक,
ख़बरें वही,
जो आपकी जरुरत
PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

तेजी के रथ पर दलाल पथ

नई दिल्ली। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी सूचकांक लगातार सातवें सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि तेल और अन्य जिंसों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से महंगाई की चिंताओं के कारण वैश्विक सूचकांक सपाट रहे। यह देसी बाजारों में करीब 10 महीनों में सबसे लंबा बढ़त का दौर है। सेंसेक्स 22 दिसंबर से 5 जनवरी के बीच लगातार 10 कारोबारी सत्रों में चढ़ा था और इसमें 2,431 अंक या 5.3 फीसदी बढ़त रही थी। सोमवार को 30 शेयरों वाला यह सूचकांक 460 अंक या 0.75 फीसदी चढ़कर अब तक के सर्वोच्च स्तर 61,766 पर बंद हुआ। सेंसेक्स 8 अक्टूबर से सभी कारोबारी सत्रों में चढ़ा है और इस दौरान इसमें 1,706 अंक या 4.4 फीसदी बढ़त दर्ज की गई है। निफ्टी 50 भी सोमवार को 18,477 पर बंद हुआ। यह व्यापक सूचकांक पिछले सात सत्रों में 831 अंक या 4.7 फीसदी चढ़ा है। इन सत्रों में से छह में सूचकांक नई ऊंचाई पर बंद हुआ। सोमवार की बढ़त को सूचकांक में तगड़ा भारांश रखने वाली इन्फोसिस की उछाल से मदद मिली। इन्फोसिस का शेयर 4.5 फीसदी चढ़ा, जिसने सेंसेक्स की बढ़त में 255 अंक का योगदान दिया। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 2.5 फीसदी चढ़ा और इसने सेंसेक्स की बढ़त में 112 अंक का योगदान दिया। मगर कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच सेंसेक्स के 30 में से 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रेंट क्रूड की कीमतें करीब सात साल के सर्वोच्च स्तर पर हैं और बहुत सी मूल धातुओं के दाम भी नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। इससे महंगाई बढने की चिंता पैदा हुई है। 10 वर्षीय अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड का प्रतिफल बढ़कर 1.6 फीसदी पर पहुंच गया। देसी 10 वर्षीय सरकारी प्रतिभूति पर भी प्रतिफल 6 आधार अंक बढ़कर 6.389 फीसदी पर पहुंच गया। चीन के आर्थिक आंकड़ों का भी रुझान पर असर पड़ा। दुनिया की इस दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का सकल घरेलू उत्पाद सितंबर तिमाही में 4.9 फीसदी बढ़ा। यह 2020 की तीसरी तिमाही से सबसे कमजोर है। चीन के कमजोर वृहद आर्थिक आंकड़ों, तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक ऊर्जा संकट से वैश्विक आर्थिक सुधार को लेकर चिंता पैदा हुई है।

फेस्टिवल ऑफर : एसबीआई और बैंक ऑफ इंडिया सहित कई बैंक दे रहे सस्ता कार लोन, प्रोसेसिंग फीस पर भी मिल रही छूट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

फेस्टिव सीजन में अगर आप कार लेने का प्लान बना रहे हैं तो ये इसके लिए सही समय हो सकता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया , बैंक ऑफ इंडिया और एचडीएफसी सहित कई बैंक कार लोन पर खास ऑफर लेकर आए हैं। बैंक ऑफ इंडिया फेस्टिवल ऑफर के तहत 6.85 फीसदी ब्याज पर कार लोन दे रहा है। हम आपको बैंकों के ऑफर्स के बारे में बता रहे हैं।

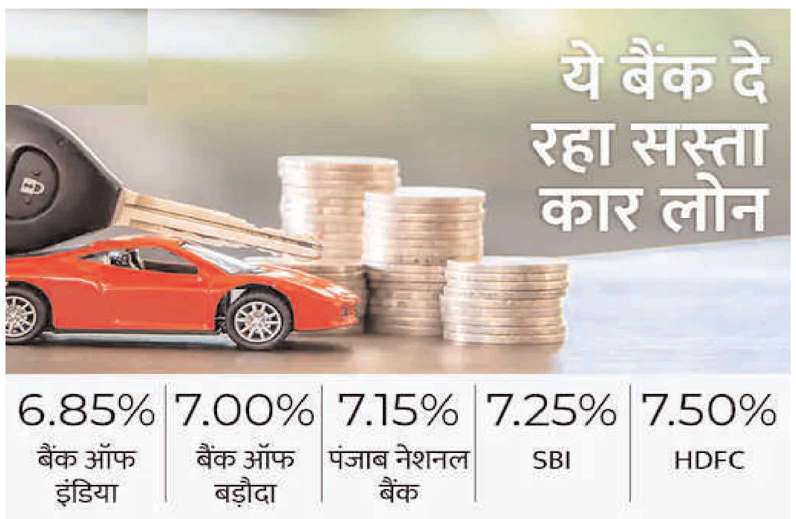

बैंक ऑफ इंडिया

बैंक ऑफ इंडिया ने व्हीकल लोन पर ब्याज दर में भी 0.50 फीसदी की कटौती की है। इसके बाद अब बैंक के व्हीकल लोन पर ब्याज दर 7.35 से घटकर 6.85 फीसदी रह गई है। बैंक ने कहा कि यह स्पेशल रेट 18 अक्टूबर, 2021 से 31 दिसंबर, 2021 तक लागू रहेंगी। बैंक ने इस दौरान प्रोसेसिंग फीस नहीं लेने का फैसला किया है।

बैंक ऑफ बड़ौदा

बैंक ऑफ बड़ौदा की कार लोन की ब्याज दर 7 फीसदी से शुरू हो रही हैं। आप कार की ऑन रोड प्राइस का 90 फीसदी तक लोन ले सकते हैं।

पंजाब नेशनल बैंक

पंजाब नेशनल बैंक कार लोन की ब्याज दर 7.15 फीसदी से शुरू हो रही हैं। बैंक ने कार लोन पर प्रोसेसिंग फीस में पूरी तरह छूट दे दी है।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

एसबीआई 7.25 फीसदी की शुरुआती ब्याज दर पर कार लोन दे रहा है। आप कार की ऑन रोड प्राइस का 90 फीसदी तक लोन ले सकते हैं। इसके अलावा बैंक ने प्रोसेसिंग फीस नहीं लेने का भी फैसला किया है।

एचडीएफसी बैंक

फेस्टिवल ऑफर के तहत इसकी कार लोन की ब्याज दर 7.50 फीसदी से शुरू हो रही हैं। कार लोन पर ऑफर्स का फायदा 30 नवंबर 2021 तक ले सकते हैं।

बढ़ रही 4जी स्पीड : सितंबर में 4जी डाउनलोड स्पीड में जियो से पिछड़े एयरटेल और वीआई

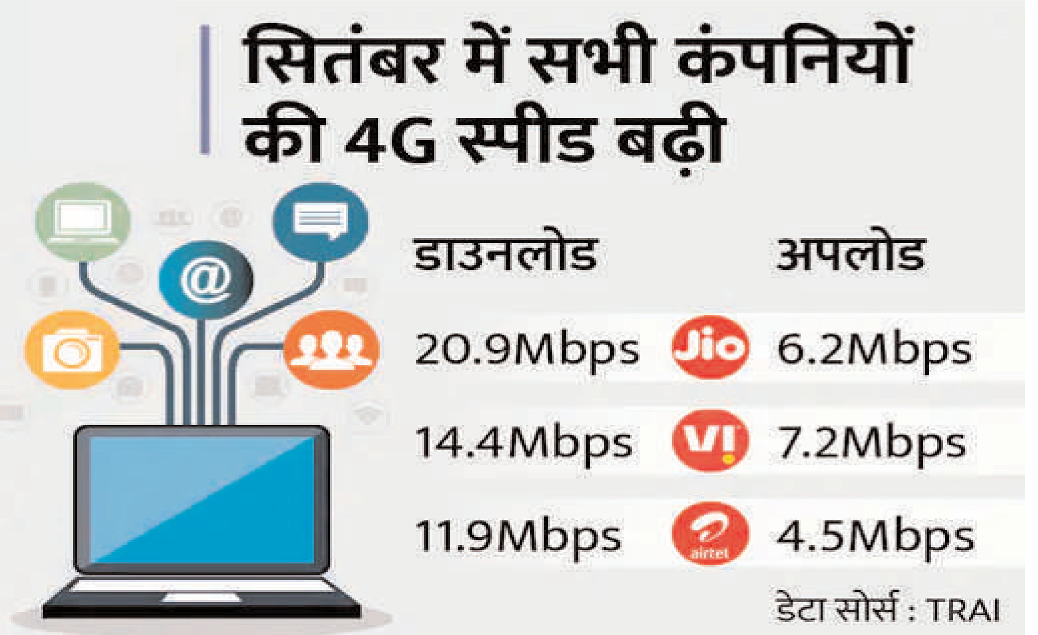

लेकिन अपलोडिंग में वीआई का दबदबा कायम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रिलायंस जियो के दम पर टेलीकॉम इंडस्ट्री की औसत 4जी डाउनलोड स्पीड बढ़ रही है। प्रमुख तीन कंपनियों की 4जी स्पीड में उछाल देखने को मिला है। हर बार की तरह इस बार भी रिलायंस जियो ने औसत 4जीडाउनलोड स्पीड के मामले में एयरटेल और वीआई (वोडाफोन-आइडिया) को एक बार फिर भारी अंतर से मात दी है। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया के हालिया जारी आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर में रिलायंस जियो की औसत डाउनलोड स्पीड 20.9MBPS मापी गई। जियो की 4जी डाउनलोड स्पीड एयरटेल से 9MBPS तो वीआई इंडिया से 6.5MBPS अधिक रही। अगस्त के मुकाबले जियो की औसत 4जी डाउनलोड स्पीड में उछाल देखने को मिला है। पिछले माह स्पीड 18.2MBPS नापी गई थी। रिलायंस जियो औसत 4जी डाउनलोड स्पीड में लगातार नंबर वन की पोजीशन पर काबिज है।

एयरटेल और वीआई , जियो से पिछड़े:- सितंबर माह में एयरटेल, रिलायंस जियो से 9MBPS पिछड़ गया। एयरटेल ने 11.9MBPS 4जी डाउनलोड स्पीड दर्ज की। अगस्त के मुकाबले उसकी स्पीड में 5.5MBPS बढ़ गई है पर इस बढ़ोत्तरी के बावजूद एयरटेल लगातार पिछले कई महीनों से तीसरे नंबर पर बना हुआ है।

वोडाफोन और आइडिया सेल्युलर ने अपने कारोबार का विलय कर लिया था और अब वे वोडाफोन-आइडिया के रूप में काम कर रहे हैं पर अप्रैल 2021 तक ट्राई दोनों के आकंड़े अलग अलग दिखाता था। मई माह से ट्राई ने दोनों कंपनियों के आंकड़े वीआई इंडिया के नाम से प्रकाशित करने शुरू कर दिए हैं। वोडाफोन-आइडिया यानी वीआई इंडिया के आंकड़ें बताते हैं कि सितंबर माह में कंपनी की औसत 4जी डाउनलोड स्पीड में 5.4Mbps की बढ़ोतरी दर्ज की गई। सितंबर में वी-आई इंडिया की औसत 4जी डाउनलोड स्पीड 14.4Mbps नापी गई। वीआई इंडिया ने भारती एयरटेल को तीसरे नंबर पर ढकेल कर दूसरा स्थान हासिल किया है पर कंपनी रिलायंस जियो के सामने ठहर नही सकी और करीब 6.5Mbps से पीछे छूट गई। अपलोड में वीआई का दबदबा कायम सितंबर में 7.2Mbps के साथ वीआई इंडिया औसत 4जी अपलोड स्पीड चार्ट में सबसे ऊपर रहा। दूसरे नंबर पर रिलायंस जियो ने बाजी मारी उसकी अपलोड स्पीड 6.2Mbps रही। एयरटेल औसत 4जी अपलोड स्पीड के मामले में भी तीसरे नंबर पर रहा। कंपनी की सितंबर माह की औसत अपलोड स्पीड 4.5Mbps नापी गई। ट्राई द्वारा औसत गति की गणना माईस्पीड एप्लिकेशन की सहायता से एकत्र रियल टाइम आंकड़ों के आधार पर की जाती है।

दिवाली पर जश्न-ए-रिवाज कैंपेन का विरोध

ट्विटर यूजर्स ने शर्मनाक बताते हुए कहा- इसका नुकसान भुगतना पड़ेगा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

लाइफस्टाइल प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी फैब इंडिया अपने फेस्टिव कैंपेन को लेकर विवादों में आ गई है। ट्विटर पर इस कैंपेन को लेकर जमकर बवाल मचा हुआ है। दरअसल, कंपनी ने दिवाली से पहले जश्न-ए-रिवाज नाम से एक कैंपेन शुरू किया है। इसे लेकर कंपनी ने एक ट्वीट में लिखा, %दिवाली का हम प्यार और प्रकाश के त्योहार के तौर पर वेलकम करते हैं, फैब इंडिया का जश्न-ए-रिवाज एक ऐसा कलेक्शन है, जो इंडियन कल्चर की खूबसूरती को दिखाता है।% फैशन मैगजीन वोग में हाल ही में इस कैंपन से जुड़ा एक आर्टिकल भी पब्लिश हुआ था।

ट्विटर यूजर्स ने फैब इंडिया को जमकर ट्रोल किया:- फैब इंडिया का यह कैंपेन कई लोगों को पसंद नहीं आया। मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन के चेयरमैन मोहनदास पाई ने नाराजगी जताते हुए ट्वीट किया, दिवाली पर फैब इंडिया का बेहद शर्मनाक बयान! जैसे दूसरों के लिए क्रिसमस और ईद है वैसे ही यह एक हिंदू धर्म का त्योहार है! ऐसा बयान एक धार्मिक त्योहार को खत्म करने की सोची-समझी कोशिश को दिखाता है!

विदेशी शब्दों का प्रयोग हमारी विरासत को नष्ट करने का प्रयास:- अगले ट्वीट में मोहनदास पाई ने एक यूजर को जवाब दिया, आप समझे नहीं! एक हिंदू त्योहार के लिए विदेशी शब्दों का प्रयोग हमारी विरासत को छीनने और इसे नष्ट करने का प्रयास है! आप दिवाली के बाद किसी भी ब्रांड नेम का उपयोग कर सकते हैं, लेकिन फिलहाल इसे दिवाली से जोड़ना एक विकृत मानसिकता को दर्शाता है! भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने भी इस पर अपनी नाराजगी जताई। तेजस्वी ने कहा, %दिवाली जश्न-ए-रिवाज नहीं है। जानबूझकर किए गए इस दुस्साहस का आर्थिक नुकसान उठाना होगा। उनके अलावा बीजेपी यूपी के प्रवक्ता प्रशांत उमराव ने ट्वीट किया, फैब इंडिया के कपड़े बहुत महंगे हैं और धोने के बाद बेकार हो जाते हैं, दूसरे ब्रांड्स में शिफ्ट होने की जरूरत है।

रिजर्व बैंक ने एसबीआई पर एक करोड़ रुपए की मॉनिटरी पेनल्टी ठोकी, नोटिस का जवाब देने के बाद कार्रवाई

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक पर 1 करोड़ रुपए की मॉनिटरी पेनल्टी लगाई। नियामक अनुपालन में कमियों के लिए ये पेनल्टी लगाई गई है। बैंकिंग रेगुलेशन एक्ट 1949 के सेक्शन के प्रावधानों के तहत आरबीआई को मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए यह जुर्माना लगाया है।

एसबीआई ने इन नियमों का उल्लंघन किया

रिजर्व बैंक ने अपनी प्रेस रिलीज में कहा कि एसबीआई की ओर से आरबीआई (फ्रॉड्स क ?लासिफिकेशन एंड रिपोर्टिंग बाय कमर्शियल बैंक ?स एंड सेलेक ?ट फाइनेंशियल इंस ?टीट्यूशंस) निर्देश 2016 का पालन नहीं किया था। एसबीआई ने ग्राहकों के साथ हुई धोखाधड़ी के क्लासिफिकेशन और उनकी रिपोर्टिंग किए जाने के नियमों का उल्लंघन किया। RBI ने अकाउंट की जांच के बाद इस मामले को लेकर बैंक को एक नोटिस जारी किया था। नोटिस में उससे पूछा गया था कि निर्देशों का पालन न करने पर उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए? बैंक के आरबीआई के इस नोटिस का जवाब देने और पर्सनल हियरिंग के जवाबों पर विचार करने के बाद, आरबीआई ने जुर्माना लगाने का फैसला किया।

कुर्ला नागरिक सहकारी बैंक पर पर लगा था जुर्माना

इससे पहले गुरुवार को भारतीय रिजर्व बैंक ने मुंबई के कुर्ला नागरिक सहकारी बैंक पर नियमों का उल्लंघन करने के लिए 1 लाख रुपए की मॉनिटरी पेनल्टी लगाई गई थी।

धनकुबेरों की सूची में स्टार्टअप

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

क्या आपने कभी आईटी सेवा कंपनी ब्राउजरस्टैक के प्रवर्तकों नकुल अग्रवाल एवं ऋतेश अरोड़ा और सैन जोस स्थित क्लाउड डिलिवर्ड सिक्योरिटी एज अ सर्विस कंपनी जेडस्केलर के संस्थापक जय चौधरी का नाम नहीं सुना? अगर नहीं तो आपको जल्द ही उनका नाम सुनने को मिल सकता है क्योंकि वे उन स्टार्टअप और यूनिकॉर्न के संस्थापकों में शामिल हैं, जिन्हें 2020-21 की आईआईएफएल हुरुन इंडिया रिच लिस्ट में जगह मिली है। जेडस्केलर के ग्राहकों में टॉप 500 फॉर्च्यून कंपनियां भी शामिल हैं। कई स्टार्टअप ने पहली बार इस प्रतिष्ठित सूची में जगह बनाई है। उनके नाम सूची में शामिल 200 धनी उद्यमियों को धकेलकर अपनी जगह बना रहे हैं। इस सूची में पहले से शामिल स्टार्टअप की रैकिंग में बड़ा सुधार हुआ है। अन्य प्रवर्तकों ने विदेश में स्टार्टअप बनाई और यूनिकॉर्न बनकर प्रसिद्धि हासिल की। इस महामारी ने शिक्षा तकनीकी क्षेत्र की दिग्गज बैजूज की तकदीर बदल दी है। कंपनी का मूल्यांकन बढ़कर 18 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे बैजूज के मालिक- रवींद्रन परिवार की रैकिंग वर्ष 2021 में सुधरकर 67 हो गई है, जो वर्ष 2017 में 504 थी। कंपनी 20 से अधिक चरणों में 3.2 अरब डॉलर जुटा चुकी है। यह चीन की शिक्षा तकनीक कंपनियों पर शिकंजा कसे जाने के कारण पैदा मौके भुना रही है। कंपनी का आईपीओ अगले 12 से 18 महीने में आना तय माना जा रहा है। इस सूची में पहली बार जगह बनाने वालों में सबसे अहम नाम ब्राउजरस्टैक के प्रवर्तकों के हैं।

होम लोन लेने और ITR फाइल करने सहित अक्टूबर में निपटा लें ये 4 काम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अक्टूबर महीने में कई जरूरी काम करने की आखिरी तारीख है। अगर आप होम लोन लेने का प्लान बना रहे हैं तो एचडीएफसी बैंक का खास ऑफर इस महीने 31 अक्टूबर को खत्म हो रहा है। इसके अलावा इस महीने PM किसान योजना में रजिस्ट्रेशन कराने पर आपको डबल फायदा मिल सकता है। हम ऐसे ही 4 काम आपको बता रहे हैं जो आपको इस महीने करने हैं।

एचडीएफसी बैंक में होम लोन:- एचडीएफसी ने फेस्टिव सीजन को देखते हुए होम लोन की दरों में कटौती की है। जिसके तहत ग्राहक 6.70 फीसदी सालाना की शुरुआती ब्याज दर पर होम लोन ले सकेंगे। यह स्पेशल स ?कीम 31 अक्टूबर 2021 तक उपलब्ध रहेगी।

PM किसान योजना में रजिस्ट्रेशन

जिन किसानों ने अब तक क्क्रू किसान सम्मान निधि स्कीम या पीएम किसान योजना में अपना रजिस्ट्रेशन नहीं कराया है वे 31 अक्टूबर तक इसमें अपना रजिस्ट्रेशन करा लेते हैं तो 4000 रुपए पाने के हकदार हो जाएंगे। ऐसे लाभार्थियों को लगातार दो किस्तें मिलेंगी। यदि आपका आवेदन स्वीकार कर लिया जाता है तो नवंबर में आपको 2000 रुपए मिलेंगे और इसके बाद दिसंबर में भी 2000 रुपए की किस्त आपके बैंक अकाउंट में आ जाएगी।

गाड़ी का रजिस्ट्रेशन और ड्राइविंग लाइसेंस रिव्यू कराएं

आपकी गाड़ी के रजिस्ट्रेशन, ड्राइविंग लाइसेंस और फिटनेस सर्टिफिकेट जैसे कागजातों को रिन्यू करवाने की आखिरी तारीख 31 अक्टूबर है। ऐसे में अगर आपको भी ये डॉक्यूमेंट रिन्यू कराने हैं तो जल्द करा लें। ऐसा न करने पर आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

आपको बता दें कि कोरोना महामारी को देखते हुए केंद्रीय परिवहन मंत्रालय ने ड्राइविंग लाइसेंस , रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और परमिट की वैधता को 31 अक्टूबर तक के लिए बढ़ा दिया था।

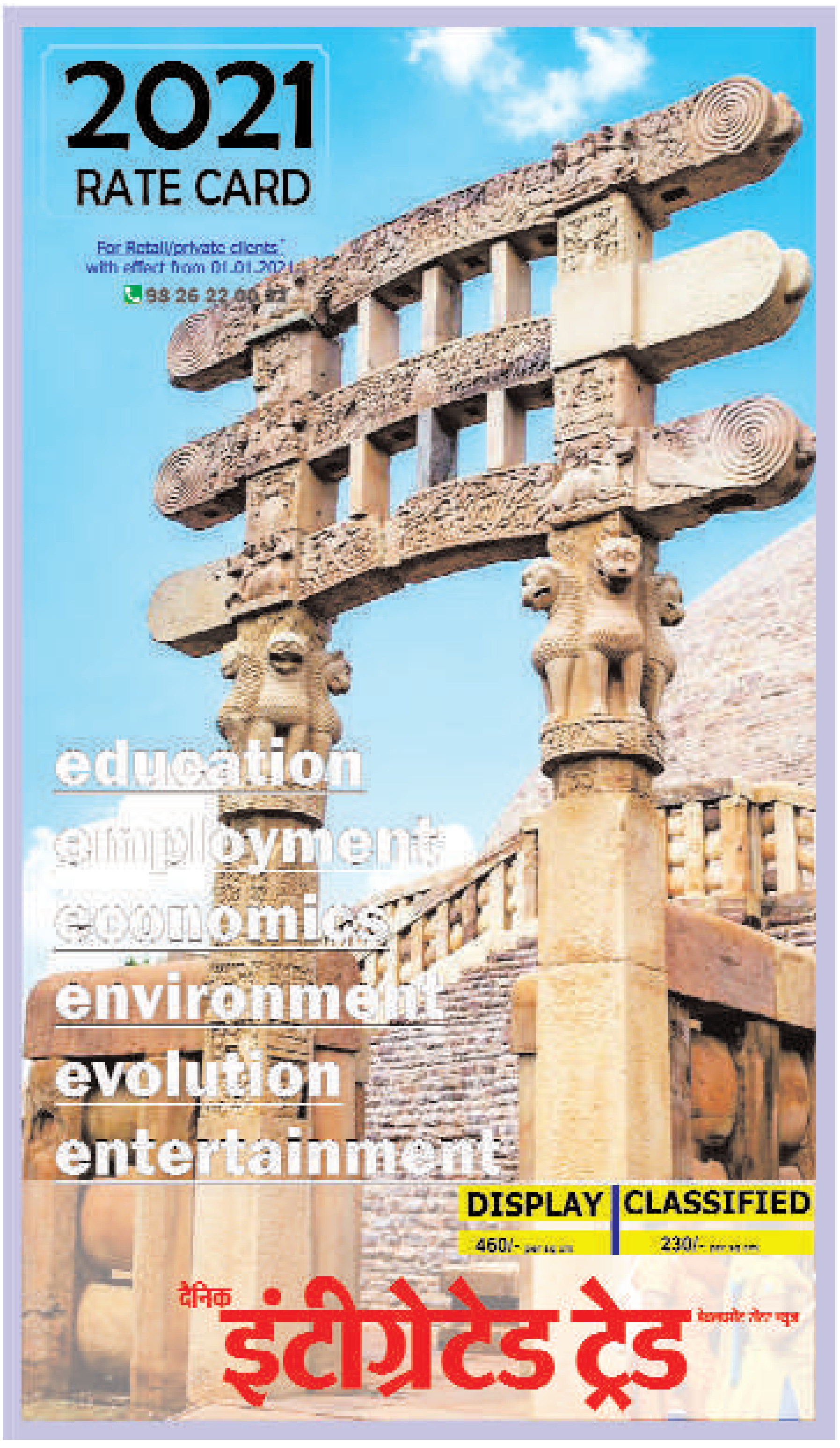

जम्मू-कश्मीर में सरकार से कार्रवाई की उम्मीद

जम्मू-कश्मीर में पिछले एक महीने से जिस तरह आतंकी घटनाएं बढ़ रही हैं, वो बेहद चिंताजनक हैं। आतंकियों के निशाने पर इस बार खास तौर से बिहार से गए प्रवासी मजदूर हैं। अब आलम ये है कि दहशत के मारे प्रवासी कामगार ट्रेनों और बसों से किसी तरह अपने घर वापस लौटने की कोशिश कर रहे हैं। इन मजदूरों में बहुतों की जेब खाली है, किसी को मालिक ने अब तक भुगतान नहीं किया, किसी की जमा पूंजी खत्म हो चुकी है, किसी के बच्चे भूख से बिलख रहे हैं, तो कोई अपने भविष्य को लेकर डरा हुआ है कि अब उन्हें कहां काम मिलेगा। मजदूरों के लिए इधर कुआं, उधर खाई वाली हालत है। अपने घरों में रहें तो रोजगार नहीं है और काम के लिए निकलें तो जान का खतरा है। दो साल पहले कोरोना से बचाव के नाम पर जब मोदीजी ने लॉकडाउन लगा दिया था, तब भी इस फैसले की मार प्रवासी मजदूरों पर सबसे ज्यादा पड़ी थी। उस वक्त बिहार में रोजगार और पलायन का मुद्दा जोर-शोर से उठा था। जदयू की सीटों पर इसका असर भी पड़ा, लेकिन भाजपा, जदयू के साथ मिलकर सरकार बनाने में कामयाब रही। रोजगार का मुद्दा वहीं धरा रहा और मजदूर एक बार फिर अपनी आजीविका की तलाश में जम्मू-कश्मीर पहुंच गए। लेकिन वहां भी उन्हें भाजपा सरकार सुरक्षा नहीं दे पाई।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को बांट कर दो केंद्र शासित प्रदेश बनाने के साथ मोदीजी ने अनुच्छेद 370 और धारा 35 एक समाप्त कर दी थी। इस फैसले से जम्मू-कश्मीर के विशेषाधिकार खत्म हो गए थे। उस वक्त मोदी सरकार ने दावा किया था कि इससे आतंकवाद पर रोक लगेगी। कुछ ऐसा ही दावा नोटबंदी के वक्त भी किया गया था। लेकिन जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी अब भी जहां चाहे वहां आम लोगों को, सैनिकों को अपने निशाने पर ले रहे हैं। हैरत की बात ये है कि कश्मीर को लेकर बड़े-बड़े दावे करने वाले प्रधानमंत्री मोदी इन हत्याओं पर चुप हैं। बिहार में चुनाव जीतने के लिए गलवान घाटी में मारे गए बिहार रेजिमेंट के सैनिकों की शहादत का जिक्र उन्होंने चुनावी सभा में किया था। जबकि बिहार रेजिमेंट सिर्फ बिहार के सैनिकों की नहीं है। और अब बिहार के मजदूर कश्मीर में मारे जा रहे हैं, तो मोदीजी मौन हैं, क्योंकि बिहार में कोई चुनाव नहीं है। इस बीच खबर है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने स्पेशल ऑपरेशन के लिए एक टीम कश्मीर भेजी है जो आतंकियों का खात्मा करेगी। अच्छी बात है कि केंद्र सरकार आतंकवाद खत्म करने के लिए कदम उठा रही है। लेकिन सवाल यही है कि इससे पहले जो फैसले केंद्र सरकार ने आतंकवाद खत्म करने के नाम पर लिए थे, क्या कभी उनकी ईमानदारी से समीक्षा की गई और उसमें जो गलत दिखा, क्या उसे सुधारा गया। जम्मू-कश्मीर में हालात बिगड़ रहे हैं और इधर देश में इस मसले पर राजनीति शुरु हो गई है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आतंकवादियों के हाथों मारे गए मजदूरों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है। इस पर राजद और लोजपा ने रोजगार को लेकर सवाल उठाए हैं। जाहिर है एनडीए सरकार लोगों को रोजगार उपलब्ध नहीं करा पा रही, जिस वजह से पलायन के हालात बने। एनडीए में शामिल हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री जीतनराम मांझी ने बिहारी भाइयों की हत्या पर दुख जतलाते हुए ट्वीट किया है कि अगर हालात में बदलाव नहीं हो पा रहे तो प्रधानमंत्री जी, अमित शाह जी से आग्रह है, कश्मीर को सुधारने की जिम्मेवारी हम बिहारियों पर छोड़ दीजिए 15 दिन में सुधार नहीं दिया तो कहिएगा। इस तरह के भावुकता भरे ट्वीट से कुछ देर की तारीफें बटोरी जा सकती हैं, हालात नहीं बदले जा सकते। श्री मांझी सत्ता में सहभागी हैं, वे चाहें तो अब हालात सुधारने के इरादों पर अब भी काम शुरु कर सकते हैं। मेघालय के राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने भी इन घटनाओं पर दुख जतलाते हुए कहा है कि जब वो जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल थे, उस दौरान श्रीनगर की 50-100 किमी की सीमा में कोई आतंकी प्रवेश नहीं कर सका। लेकिन अब गरीब मजदूरों को निशाना बनाया जा रहा है। श्री मलिक का दुख जायज है, मगर तब की स्थितियों से आज काफी कुछ बदल गया है और इसी बदलाव की ईमानदार समीक्षा की जरूरत है, जिसके लिए मोदी सरकार शायद तैयार नहीं है। प्रवासी मजदूरों की हत्याओं के सिलसिले के बीच खबर उड़ी कि प्रवासी मजदूरों को सेना और पुलिस के कैंपों में शिफ्ट किया जा रहा है। इसे लेकर एक एडवाइजरी भी जारी की गई है। लेकिन जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इसे अफवाह ठहराते हुए अपने ट्विटर हैंडल पर बताया कि यह पूरी तरह झूठ है। ऐसे संगीन माहौल में इस तरह की अफवाहें कौन फैला रहा है, मजदूरों को मार कर दहशत फैलाने का लाभ किसे मिलेगा, इन बातों की तह तक गए बिना हालात को संभाला नहीं जा सकता। चुनावी सभाओं में सरकार ने अपने तेवर खूब दिखला दिए, सर्जिकल स्ट्राइक के नाम पर पाकिस्तान को सबक सिखाने के दावे भी बहुत हो गए। अब मोदी सरकार को जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापित करने के लिए उपाय करने होंगे, अन्यथा इस बार विश्वास का जो नुकसान होगा वो भाजपा को भारी पड़ सकता है।

संपादकीय

पाकिस्तान में फौजी चौधराहट

इस बार पाकिस्तान में कौन सा फॉर्मूला चलेगा, जहांगीर करामत वाला या परवेज मुशर्रफ वाला? जब पाकिस्तान के प्रसिद्ध पत्रकार, स्तंभकार और क्रिकेट प्रशासक नजम सेठी अपने एक कार्यक्रम में यह सवाल पूछते हैं, तब उनके सामने पुराने अनुभवों पर आधारित कुछ ठोस कारण हैं। पाकिस्तान के जन्म के साथ ही देश की राजनीति में फौज के निर्णायक हस्तक्षेप की परंपरा पड़ गई थी और अब तो यह संस्थाबद्ध हो गई है। जब मार्शल लॉ नहीं होता है, तब भी विदेश और रक्षा संबंधी मसलों में अंतिम फैसला तो सेना का ही होता है। कई बार जनता से चुनी सरकारों के प्रतिनिधियों को गलतफहमी हो जाती है कि दूसरे लोकतंत्रों की तरह उनके मुल्क में भी 'सिविल बालादस्ती' या नागरिक श्रेष्ठता का सिद्धांत काम करता है, जिसमें सेना चुनी हुई सरकार के अधीन काम करती है। सारे फैसले सरकार लेती है और सेना नौकरशाही के दूसरे अंगों की तरह उसे लागू करती है। इसी गलतफहमी से वह दुविधा उत्पन्न होती है, जिसका जिक्र ऊपर नजम सेठी के इंटरव्यू में आया है। एक जमाने में खुद सेना की निर्मिति रहे नवाज शरीफ ने अपने दूसरे कार्यकाल के दौरान सिविल बालादस्ती की बात शुरू कर दी थी। सेनाध्यक्ष जनरल जहांगीर करामत ने जब एक ऐसा बयान दे दिया, जो प्रधानमंत्री को नागवार लगा, तो उन्हीं तलब करके उनका इस्तीफा मांग लिया गया। बावजूद इसके कि उनके कई जनरल सरकार का तख्ता पलटने के पक्ष में थे, जहांगीर करामत इस्तीफा देकर चुपचाप घर चले गए। पर यही दांव तब उल्टा पड़ गया, जब 1999 में नवाज शरीफ ने अपने एक और जनरल परवेज मुशर्रफ को बर्खास्त किया, तो सेना के वरिष्ठ ने उन्हें ही अपदस्थ कर मार्शल लॉ लगा दिया। नजम सेठी या दूसरे राजनैतिक विश्लेषक पिछले दस दिनों से सांस रोके राष्ट्र को उस संकट से आगाह करने की कोशिश कर रहे हैं, जो कोर कमांडरों की एक बैठक में वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों की नई नियुक्तियों के संबंध में लिए गए निर्णयों से उत्पन्न हुआ है। पाकिस्तान की जमीनी हकीकत जानने वाले जानते हैं कि कोर कमांडरों की समिति कई मामलों में केंद्रीय मंत्रिमंडल से भी अधिक ताकतवर होती है। इस समिति ने आधे दर्जन से अधिक कोर कमांडरों को इधर से उधर किया, तब तक तो ठीक था, लेकिन उन्होंने इमरान के पसंदीदा आईएसआई प्रमुख जनरल फैज हमीद को भी बदल डाला और वह भी बिना प्रधानमंत्री से पूछे। नवनियुक्त आईएसआई प्रमुख को अपना कार्यभार संभालने के पहले प्रधानमंत्री की सहमति की दरकार है और यहीं पर पेच फंसा हुआ है।

पाकिस्तान में जहां चार बार घोषित और कई बार अघोषित मार्शल लॉ लग चुके हैं, वहां एक अलिखित परंपरा है कि डीजी आईएसआई प्रधानमंत्री अपनी मर्जी और पसंद से लगाते रहे हैं। परंपरा के अनुसार, सेना मुख्यालय तीन से चार लेफ्टिनेंट जनरलों के नाम प्रधानमंत्री के पास भेजता है और उनमें से किसी एक नाम पर सहमति के साथ फाइल वापस आ जाती है। इस बार यह परंपरा तोड़ दी गई और कोर कमांडरों ने ही वर्तमान डीजी आईएसआई लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद को हटाकर लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अहमद अंजुम को नया डीजी आईएसआई लगा दिया। परदे के पीछे क्या हुआ, पूरा तो किसी को नहीं पता, पर इतना छन-छनकर बाहर आ गया है कि लेफ्टिनेंट जनरल फैज इमरान खान के बहुत करीब हो गए थे और यही सैन्य नेतृत्व को खटक रहा था। जनरल फैज वही अधिकारी हैं, जिनकी तस्वीर पिछली सरकार में एक चरमपंथी संगठन तहरीक लब्बैक पाकिस्तान के कार्यकर्ताओं का धरना खत्म कराते वक्त मुद्रा बांटते हुए मीडिया में छपी थी।

सार्वजनिक तौर पर तो फौजी नेतृत्व कह रहा है कि फैज हमीद ने अभी तक कोई कोर कमांड नहीं की है और अगले साल जब वह अगले सेनाध्यक्ष की दौड़ में होंगे, तब यह तथ्य उनके खिलाफ जा सकता है, हकीकत इसके उलट है। सेना प्रमुख जनरल बाजवा और उनके करीबी जनरल साहबान फैज हमीद और इमरान खान की निकटता को शक की निगाह से देखने लगे थे। इसमें कोई शक नहीं कि इमरान खान को फौज और न्यायपालिका का बेशर्म गठबंधन ही सत्ता में लाया था और यह भी सही है कि उनके मंत्रियों को हर दूसरे दिन प्रेस के सामने दावा करना पड़ता था कि सरकार और सेना एक ही पेज पर हैं, पर हमें उस मानवीय कामना को भी याद रखना होगा, जिसमें कमजोर से कमजोर व्यक्ति का सपना होता है कि उसे खुदमुख्तार समझा जाए। विरोधी खुलेआम फिकरा कसते थे कि वह 'सेलेक्टेड' प्राइम मिनिस्टर हैं। इमरान खान की यह इच्छा अनुचित नहीं कही जाएगी कि उनकी कठपुतली प्रधानमंत्री की छवि बदले। कुछ महीने पहले जनरल बाजवा ने रोजा इफ्तार के बहाने देश के चुनिंदा पत्रकारों के सामने एक लंबी फेहरिश्त रखी, जब इमरान खान ने उनकी बातें नहीं मानी थीं। पाकिस्तान का मौजूदा संकट अभूतपूर्व है। दोनों पक्षों के मध्य सुलह कराने में लगे सरकारी प्रवक्ताओं ने दावा किया है कि अब तयशुदा फॉर्मूले के अनुसार, सेना मुख्यालय तीन नामों का एक पैनल भेजेगा और प्रधानमंत्री उन सभी का इंटरव्यू लेकर नया डीजी आईएसआई तय करेंगे। अपुष्ट समाचारों के मुताबिक, फौज ने इस प्रक्रिया से इनकार कर दिया है। खास तौर से वे किसी नागरिक द्वारा अपने जनरलों का इंटरव्यू लेने की संभावना मात्र को ही अपमानजनक समझते हैं। इसके बाद इमरान खान के पास विकल्प क्या हैं- पहला यह कि वह जनरल बाजवा को बर्खास्त कर दें और अपनी पसंद का दूसरा जनरल उनकी जगह लगा दें।

कोयले की पूर्ति में कमी से बिजली संकट का खतरा

समाचार पत्रों के अनुसार, कुछ राज्य मांग को पूरा करने के लिए बिजली एक्सचेंज से महंगी बिजली खरीदने को मजबूर हो रहे हैं। उत्तरप्रदेश में विद्युत पूर्ति जारी रखने के लिए 17 रुपया प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदनी पड़ रही है। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई भी बिजली संकट के मुहाने पर खड़ी है। राज्य के बिजली विभाग का कहना है कि वहां बिजली की आपूर्ति जारी रखने के लिए तुरंत 730 अरबरुपयों की जरूरत है। पंजाब, आंध्रप्रदेश, दिल्ली व अन्य कुछ राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने केन्द्र सरकार को बिजली की कमी की समस्या से अवगत करवाने हेतु पत्र लिखे थे।

- डॉ. हनुमन्त यादव

केंद्र सरकार द्वारा बिजली उत्पादन में वृद्धि के लिए सभी प्रयासों के साथ ही उम्मीद जताई गई है कि सभी राज्य शीघ्र ही बकाया राशि का भुगतान कोल इंडिया को कर देंगे। केंद्र सरकार द्वारा किए गए सारे प्रयासों के बावजूद कई राज्य बिजली के संकट से अभी भी उबर नहीं पाए हैं। पंजाब, बिहार, आंध्रप्रदेश, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश में समस्या कायम है। बिजली की सबसे विकट स्थिति पंजाब में अभी भी बनी हुई है। अमेरिका, रूस, चीन, आस्ट्रेलिया और भारत कोयले के बड़े भंडारवाले 5 देश हैं । पहले बिजली उत्पादन के लिए कोयला प्रमुख स्रोत था, किंतु विज्ञान की तरक्की के साथ इन देशों में अन्य साधनों का भी उपयोग होने लगा है। वर्तमान में भारत में बिजली उत्पादन के 70 प्रतिशत कोयला तथा चीन में 60 प्रतिशत कोयला का उपयोग होने लगा है। दुनिया के कुछ देश बिजली उत्पादन के लिए लगभग 90 प्रतिशत से अधिक कोयला का उपयोग करते हैं। ये देश हैं- दक्षिण अफ्रीकी देश बोत्सवाना 100 प्रतिशत, बाल्कन रिपब्लिक देश कोसावा 95 प्रतिशत, एवं मंगोलिया 92 प्रतिशत। दक्षिण अफ्रीका 85 प्रतिशत कोयला का उपयोग बिजली उत्पादन के लिए करता है। कोयला उत्पादक दो बड़े देश भारत और चीन पिछले कुछ समय से कोयला की आपूर्ति के कारण बिजली के संकट से जूझ रहे हैं। भारत में पिछला पखवाड़ा कोयले की पूर्ति में कमी और बिजली संकट के समाचारों के नाम रहा। सेंट्रल इलेक्ट्रीसिटी अथारिटी की 7 अक्टूबर की रिपोर्ट के अनुसार, देश के 135 में से 110 विद्युत संयंत्र कोयले के संकट का सामना करते हुए संकटपूर्ण स्थिति में पहुंच गए हैं। 16 संयंत्रों के पास एक दिन का भी कोयला स्टॉक में नहीं है, इन संयंत्रों में से हरियाणा के 2 और महाराष्ट्र का एक संयंत्र है। 10 संयंत्रों के पास एक दिन का कोयला स्टॉक में बचा है, इनमें पंजाब, राजस्थान, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, कर्नाटक व छत्तीसगढ़ का एक-एक संयंत्र शामिल है। 18 संयंत्रों के पास 2 दिन का कोयला बचा हुआ है, इनमें पश्चिम बंगाल के भी 2 संयंत्र शामिल है। कुल मिलाकर स्थिति गंभीर है। 8 अक्टूबर बाद कुछ राज्यों के समाचार पत्रों ने वहां के संभावित बिजली संकट के बारे में समाचार प्रकाशित किए।

समाचार पत्रों के अनुसार, कुछ राज्य मांग को पूरा करने के लिए बिजली एक्सचेंज से महंगी बिजली खरीदने को मजबूर हो रहे हैं। उत्तरप्रदेश में विद्युत पूर्ति जारी रखने के लिए 17 रुपया प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदनी पड़ रही है। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई भी बिजली संकट के मुहाने पर खड़ी है। राज्य के बिजली विभाग का कहना है कि वहां बिजली की आपूर्ति जारी रखने के लिए तुरंत 730 अरबरुपयों की जरूरत है। पंजाब, आंध्रप्रदेश, दिल्ली व अन्य कुछ राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने केन्द्र सरकार को बिजली की कमी की समस्या से अवगत करवाने हेतु पत्र लिखे थे। 9 अक्टूबर को उत्तर भारत के समाचार पत्रों द्वारा बिजली संकट का समाचार प्रकाशित होने पर 10 अक्टूबर को बिजली मंत्री आरके सिंह ने बयान दिया कि बिजली की कोई कमी नहीं है तथा इसकी कमी का भ्रम जानबूझ कर फैलाया जा रहा है। रविवार 10 अक्टूबर को ही कोयला मंत्रालय ने कहा, कि बिजली संयंत्रों के पास 72 लाख टन कोयला है जो चार दिन के लिए पर्याप्त है। 11 अक्टूबर को गृहमंत्री अमित शाह ने राज्यों में बिजली की कमी व कोयले की आपूर्ति पर मुख्यमंत्रियों के पत्रों के सन्दर्भ में अपने कार्यालय में बिजली मंत्री आरके सिंह और कोयला मंत्री प्रहलाद जोशी से चर्चा की। 12 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ राज्यों में बिजली संकट और कोयले की कमी पर समीक्षा बैठक की जिसमें राज्यों के मुख्यमंत्रीगण एवं केन्द्रीय बिजली मंत्री और कोयला मंत्री अपने अधिकारियों के साथ बैठक में शामिल हुए। बैठक में यह बात भी निकलकर आई कि देश में कोयले की कमी नहीं है। मुख्य समस्या यह है कि राज्यों द्वारा उन पर कोल इंडिया की बकाया राशि 21 हजार करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया जा रहा है। कुछ राज्य अपने हिस्से के कोयले को भी नहीं उठा रहे हैं। इस साल सितंबर-अक्टूबर में कोयले की आपूर्ति में विलम्ब के प्रमुख कारण बारिश के दिनों में कुछ राज्यों में जबरदस्त बारिश तथा बाढ़ कोयले की ढुलाई में आई रुकावट थे। कोयला मंत्रालय ने रेलवे से बिजली घरों तक कोयले की ढुलाई के लिए समय पर रैक उपलब्ध कराने के लिए कहा है। कोयला मंत्रालय के अनुसार, राज्यों के पास कोल इंडिया का लगभग 20 हजार करोड़ रुपया बकाया है। महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु व मध्यप्रदेश कोल इंडिया के बड़े डिफाल्टर राज्य हैं। इन राज्यों पर चालू साल में भुगतान के लिए बकाया राशि इस प्रकार है- महाराष्ट्र 3,176.1 करोड़ रुपये, उत्तरप्रदेश 2743.1 करोड़ रुपये, पश्चिम बंगाल 1958.6 करोड़ रुपये, तमिलनाडु, 1281.7 करोड़ रुपये, मध्यप्रदेश 1,000 करोड़ रुपये, राजस्थान 774 करोड़ रुपये तथा कर्नाटक 23 करोड़ रुपये। कोयले से बिजली उत्पादन में भारत दुनिया का छठा बड़ा देश है। वर्तमान में देश में कोयले से 70 प्रतिशत बिजली उत्पादन हो रहा है। जलविद्युत, गैस आदि बिजली उत्पादन के अन्य स्रोत हैं। पहले निजी क्षेत्र व कोल इंडिया आयातित कोयले से भी बिजली उत्पादन करते थे। किंतु आयातित कोयले के महंगा होने के कारण भी कोयला संकट निर्मित हुआ है। मार्च 2021 में आयातित कोयले की कीमत 4,200 रुपये टन थी जो सितंबर में बढ़कर 11,520 रुपया प्रति टन हो गई। एक समस्या यह भी है कि देश में कोयला खनन की तकनीक पुरानी हो चुकी है। एक अन्य समस्या यह है कि कोयला का भंडारण एक स्थान पर इसलिए अधिक नहीं कर सकते क्योंकि इससे आग लगने का खतरा बना रहता है।

खबरिया चैनलों पर गाली

- पलाश सुरजन

जन सामान्य में टीवी की पहुंच व्यापक है ही, सोशल मीडिया उसे असीमित विस्तार देता है। यू ट्यूब पर चलने वाले नामालूम से चैनल भी कुछ हज़ार दर्शक जुटा ही लेते हैं। इसलिए खबरिया चैनलों से बात करना छुटभैयों तक को भी बहुत भाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में सत्ता की चापलूसी करने, विपक्ष को निकम्मा और नाकारा बताने, धर्म के नाम पर झूठ और नफरत फ़ैलाने की खुली छूट चैनलों को मिली हुई है, लेकिन गाहे-बगाहे ही कोई कार्रवाई उनके खिलाफ़ होती है। अधिकांश नामी-गिरामी खबरिया चैनल किस कदर सड़क छाप तमाशे में तब्दील हो चुके हैं – यह हम सब लगातार देख ही रहे हैं। बेमतलब बहसें, चीख चिल्लाहट, हाथापाई, मारपीट, उछल कूद और नाच-गाना तो इन चैनलों की प्रस्तुतियों का स्थायी हिस्सा बन चुके हैं और अब गालियां भी इनमें शामिल हो गई हैं। अभी ज़्यादा दिन नहीं हुए हैं जब रिपब्लिक चैनल पर मेजर जनरल जीडी बख्शी ने बहस में शामिल दूसरे पक्ष को न केवल नीच कहा बल्कि गाली भी दे डाली। हाल ही में टाइम्स नाउ चैनल पर नाविका कुमार ने राहुल गांधी के लिए अपशब्द का प्रयोग किया और बाद में ऐसा करने के लिए माफ़ी मांगी। इंडिया न्यूज़ के प्रदीप भंडारी कहां पीछे रहने वाले थे। सिंधु बॉर्डर पर हुए हत्याकांड पर बहस की शुरुआत में उन्होंने भी एक अश्लील शब्द उच्चारित कर डाला। एंकर-एंकराओं का यह व्यवहार क्या स्वाभाविक माना जा सकता है, क्या वे अपने मनोभावों को अभिव्यक्ति दे रहे होते हैं या फिर असावधानी में ऐसा कर बैठते हैं या इसके पीछे कोई सोची समझी रणनीति होती है कि जिस चैनल पर जितनी ज़्यादा बदतमीज़ी और बेहयाई होगी, उसकी टीआरपी यानि दर्शक संख्या उतनी ही अधिक होगी और उसकी आमदनी भी बढ़ेगी। इस व्यवहार के लिए क्या एंकर-एंकराएं ही ज़िम्मेदार हैं या उनके संपादक भी? एक समय बम्बइया फिल्मों में हिंसा, नग्नता और बलात्कार के दृश्य ठूंसने वाले निर्माताओं की दलील होती थी कि वे दर्शकों की मांग पर ऐसा करते हैं। क्या खबरिया चैनल भी कल को यही कहेंगे दर्शकों ने हमसे गाली-गलौज करवाने की मांग की है। ताज्जुब नहीं होगा अगर कुछ खबरिया चैनल %केवल वयस्कों के लिए% वाली श्रेणी में आ जाएं। इन चैनलों के एंकर भले ही अपने आपको सिने जगत या क्रिकेट के किसी सितारे जैसा समझते हों और कई बार न्यायाधीश की भूमिका भी अदा करने लगते हों, हकीकत ये है कि उनकी और उनके चैनल की साख मटियामेट होती जा रही है। रही-सही कसर सरेआम गाली देने से पूरी हो रही है। पता नहीं उन्हें इस बात का कोई अफ़सोस होता है या नहीं, लेकिन एक न एक दिन उन्हें इसके लिए पछताना ज़रूर पड़ेगा। बहुत सारे लोगों ने ख़बरों के लिए टीवी देखना पहले ही बंद कर दिया है तो बहुतों ने टीवी ही अपने घर से हटा दिया है। एक चैनल के स्वनाम धन्य संपादक तो खुद ही अपने दर्शकों से टीवी न देखने की अपील कर चुके हैं। %कुछ तो मर्यादा रखिए% की बात करने वाले एंकर और चैनल अगर शर्म और लिहाज छोड़ बैठे हैं तो लोग भी उन्हें देखना-सुनना क्यों न छोड़ दें। जन सामान्य में टीवी की पहुंच व्यापक है ही, सोशल मीडिया उसे असीमित विस्तार देता है। यू ट्यूब पर चलने वाले नामालूम से चैनल भी कुछ हज़ार दर्शक जुटा ही लेते हैं। इसलिए खबरिया चैनलों से बात करना छुटभैयों तक को भी बहुत भाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में सत्ता की चापलूसी करने, विपक्ष को निकम्मा और नाकारा बताने, धर्म के नाम पर झूठ और नफरत फ़ैलाने की खुली छूट चैनलों को मिली हुई है, लेकिन गाहे-बगाहे ही कोई कार्रवाई उनके खिलाफ़ होती है। गाली देने वाले प्रवक्ताओं, तथाकथित विशेषज्ञों और एंकर-एंकराओं पर कार्रवाई अभी तक तो देखने-सुनने को नहीं मिली। लेकिन लोकतंत्र में जैसे बिना जवाबदेही के सत्ता को मान्यता नहीं दी जा सकती, वैसे ही बिना ज़िम्मेदारी के अभिव्यक्ति का अधिकार स्वीकार नहीं किया जा सकता।

हमारे देश में शादी-ब्याह में गालियां गाना एक रस्म है। कई रिश्तों में हंसी- मज़ाक के साथ गालियों का आदान-प्रदान किया जाता है। वे हमारे यहां सामाजिक व्यवहार का हिस्सा हैं लेकिन ये पहली बार हुआ है जब गाली देने वाले सत्ता का हथियार बन चुके हैं। लेकिन क्या खबरिया चैनल भी गाली देने वालों की भीड़ में शामिल हो गए हैं? अगर यह सच है तो बहुत दुखद है। इन चैनलों के अपने संगठन %न्यूज ब्रॉडकास्टर्स एंड डिजिटल एसोसिएशन% को तत्काल इस बात का संज्ञान लेना चाहिए और अपनी आचार संहिता और प्रसारण के मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करवाना चाहिए। आत्म नियमन के अपने वचन पर वह अमल नहीं करवा पाएगा तो उसके अपने औचित्य पर सवाल खड़े होते देर नहीं लगेगी।

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें देकर अपने जाने का ग़म दे चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने हमारे लिए हर चीज गवाह बन जाती है।
घर के हर कोने से आप ज़िंदगी की सबसे मीठी याद देकर चले गए।
सच तो ये है कि आप हम ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल कठोर होता है वो कभी नहीं रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में पलकें भिगोते मैंने आपको देखा है।
पिता की परिभाषा बदल कठोरता को प्रेम में बदल कर चले गए।
सच तो ये है की आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा बचपन में ये हर मां बाप कहते हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके लिए आज भी इसलिए तड़पते हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का, उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच अनजाने ही ये उम्मीद दे चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए।

वैज्ञानिकों ने चेताया, निपाह का डेल्टा वेरिएंट आया तो मृत्युदर होगी 50 फीसदी

कोरोना का कहर जारी रहने के बीच निपाह वायरस से एक नई महामारी फैलने का खतरा जताया जा रहा है। एस्ट्राजेनेका के कोरोना रोधी टीके का आविष्कार करने वाली टीम की सदस्य रहीं डेम सारा गिल्बर्ट ने निपाह वायरस को लेकर आगाह किया कि इससे नई महामारी फैल सकती है। गिल्बर्ट ने ब्रिटेन में एक कार्यक्रम के दौरान कहा-अगर निपाह वायरस का डेल्टा वेरिएंट उत्पन्न होता है, तो बहुत ज्यादा संक्रामक हो जाएगा और इससे संक्रमित लोगों के मरने की दर बढ़कर 50 प्रतिशत होगी। वर्तमान में निपाह से संक्रमित लोगों को ठीक करने के लिए ना तो कोई कारगर इलाज है और ना ही टीका बन सका है। निपाह वायरस नया नहीं है। यह सालों से धरती पर मौजूद है। लेकिन वर्ष 1999 में इसका पहला मामला मलेशिया के चमगादड़ों में पाया गया। हालांकि इस बात के भी साक्ष्य मिले हैं कि यह वायरस कुत्तों और बिल्लियों को भी बीमार कर चुका है। अमेरिका के सेंटर फॉर डीजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन विभाग ने भी इस वायरस को बहुत संक्रामक बताते हुए कोरोना से अधिक घातक करार दिया। कोरोना से संक्रमित होने पर मृत्यु दर एक फीसदी है, जबकि निपाह से संक्रमित होने पर मौत का खतरा 40 फीसदी से अधिक रहता है।

मृत्यु दर हो सकती है 100 फीसदी

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक निपाह वायरस से संक्रमित लोगों के मरने की संभावना 40 फीसदी से लेकर 100 फीसदी तक हो सकती है। इसके पहले वर्ष 1999 में मलेशिया में आठ महीने के दौरान करीब 265 लोग संक्रमित हुए, जिसमें से 105 लोगों की मौत हो गई। यह इतना घातक वायरस है कि 24 से 48 घंटे के भीतर ही मरीज को कोमा में पहुंचा सकता है।

भारत समेत कई एशियाई देशों में खतरा अधिक

भारत और बांग्लादेश समेत कई एशियाई देशों में निपाह का खतरा अधिक रहता है। इन दोनों देशों में यह वायरस एक निश्चित अंतराल के बाद लोगों को अपनी चपेट में लेता रहता है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक इसके अलावा कंबोडिया, घाना, इंडोनेशिया, मेडागास्कर, फिलीपींस और थाईलैंड में भी इस वायरस के फैलने का खतरा रहता है।

भारत में निपाह का चार बार हमला

निपाह वायरस भारत में चार बार हमला कर चुका है। इसका पहला मामला वर्ष 2001 में पश्चिम बंगाल के सिलीगड़ी में मिला, दूसरा मामला भी इसी राज्य के नदिया जिले में वर्ष 2007 में मिला। भारत के केरल में अब तक दो बार निपाह वायरस के मामले आ चुके हैं। केरल में पहला मामला वर्ष 2018 में कोझीकोड में मिला, जबकि दूसरा मामला कोच्चि में वर्ष 2021 में मिला जिसके कारण एक 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई।

चमगादड़ से फैला वायरस :

निपाह वायरस मनुष्यों में मोटे तौर पर तीन तरीके से फैल सकता है- संक्रमित मनुष्यों, संक्रमित पशुओं या संक्रमित फलों के संपर्क में आने से। चमगादड़ फलों को संक्रमित करते हैं, तो इन फलों के संपर्क में आने से सुअर संक्रमित होते हैं। संक्रमित सुअर का मांस खाने से इंसान संक्रमित होता है। इसी तरह एक व्यक्ति से पूरे परिवार या देखरेख करने वालों के संक्रमित होने का खतरा बढ़ जाता है। वर्ष 2001 से 2008 के बीच बांग्लादेश के आधे संक्रमित वे लोग रहे, जो किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से बीमार हुए।

संक्रमण के लक्षण :

शुरुआती संक्रमण पर व्यक्ति में बुखार, सिर दर्द, मांसपेशियों का दर्द, उल्टी, गले की खरास जैसी शिकायत देखने को मिलती है। लेकिन बीमारी बढ़ने पर मरीज को चक्कर आने लगते हैं। वह सुस्त होने के साथ-साथ मानसिक समस्याओं का भी सामना करने लगता है। कुछ संक्रमित लोगों में कोई लक्षण नहीं दिखते हैं, तो कुछ लोगों में मध्य से लेकर गंभीर स्तर का श्वसन संक्रमण दिखता है। कुछ लोगों के दिमाग में सूजन आने से मौत हो जाती है।

बालों में हिना अप्लाई करने के बाद आने वाली स्मेल नहीं है पसंद, यूं पाएं छुटकारा

नई दिल्ली। बालों में मेहंदी लगाने से न सिर्फ बालों की खूबसूरती बढ़ती है, बल्कि अच्छा कलर भी मिलता है। कई लोग बालों को कलर करने तो कुछ बालों की कंजीशनिंग के लिए हिना का इस्तेमाल करते हैं। वैसे तो इसका रंग और खुशबू सभी को पसंद होती है लेकिन कुछ ऐसे भी लोग हैं जिन्हें हिना की स्मेल अच्छी नहीं लगती। कई लोगों को तो इसकी स्मेल से सिर में दर्द तक होने लगता है। इस स्मेल से छुटकारा पाने के लिए लड़कियां तुरंत शैम्पू का इस्तेमाल करती हैं। जिससे हिना की स्मेल बालों से दूर हो जाए, लेकिन इससे कुछ खास रिजल्ट नहीं मिलता।

1) अदरक पाउडर: अदरक में माइक्रो न्यूट्रिएंट्स होते हैं, जो बल्ड फ्लो को इंप्रूव करते हैं। ये बालो मेहंदी में अदरक का पाउडर मिलाएं। इसकी शुशबू एक न्यूट्रलाइजर की तरह काम करती है। जिससे आपको मेहंदी की खुशबू से छुटकारा पाने में मदद मिलेगी। ये बालों को बढ़ाने में भी मदद करता है। इसके लिए मेहंदी के पेस्ट में 1 से 2 चम्मच मिलाएं और अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद इस्तेमाल करें।

2) इलायची: कई तरह की मिठाई, डेजर्ट में इस्तेमाल होने वाली इलायची के तीखे और मीठे स्वाद और खुशबू ने हर किसी के दिलों में अपनी जगह बनाई है। मेहंदी की स्मेल हटाने में ये अच्छी तरह से काम करेगी। इसके लिए पेस्ट में 1 से 2 चम्मच डालें और अच्छी तरह मिलाएं और लगाएं।

ध्यान दें: इन्हें ज्यादा मात्रा में न मिलाएं, क्योंकि हो सकता है कि ये आपको सूट न करे।

वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी, बताए सोशल मीडिया की लत के खतरनाक प्रभाव

आज के दौर में सोशल मीडिया का इस्तेमाल सामान्य बात हो चली है। इसे जरूरत मान लिया गया, लेकिन इसके नुकसानों से रूबरू होना भी जरूरी है। एक हालिया अध्ययन के जरिए सिडनी के वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया के इस्तेमाल के करीब पचास हानिकारक प्रभाव हैं। यह सभी प्रभाव सिर्फ मानसिक सेहत से जुड़े नहीं हैं, बल्कि हमारे काम करने की क्षमता भी इनसे प्रभावित हो रही है।

46 हानिकारक प्रभावों का पता लगाया:

सिडनी की यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के शोधकर्ताओं ने फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसी साइटों के उपयोग से जुड़े 46 हानिकारक प्रभावों की जानकारी दी है। इनमें से चिंता, अवसाद, परेशान किया जाना, आत्महत्या के लिए उकसाने वाले विचार, साइबर स्टॉकिंग, अपराध, ईर्ष्या, सूचना अधिभार और ऑनलाइन सुरक्षा की कमी है आदि शामिल हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार कुल मिलाकर सोशल मीडिया शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए तो समस्या पैदा करने वाला है ही, साथ ही यह नौकरी और शैक्षणिक प्रदर्शन पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। इसके अलावा सोशल मीडिया के कारण लोग सुरक्षा और प्राइवेसी की चिंता से भी परेशान रहते हैं।

अध्ययनः टीके की मिली-जुली खुराक कोविड के खिलाफ अधिक प्रभावी

प्राइवेसी की चिंता में किसी तीसरी पार्टी द्वारा निजी जानकारी के दुरुपयोग की चिंता शामिल है। सुरक्षात्मक चिंता में धोखाधड़ी का खतरा और साइबरबुलिंग में दुर्व्यवहार, झूठ, स्टॉकिंग, अफवाह आदि शामिल हैं।

इसके अलावा छठी श्रेणी में सोशल मीडिया के इस्तेमाल से काम के प्रदर्शन में होने वाली कमी आती है। शोधकर्ता अब उन कारकों की जांच कर रहे हैं, जो सोशल मीडिया की लत को प्रभावित करते हैं। एक ऐसी टेस्ट एप्लीकेशन विकसित की जाएगी जो सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभावों को कम कर सके।

सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों की अनदेखी हुई:

शोधकर्ताओं का कहना है कि अब तक सोशल मीडिया नेटवर्क पर हुए अध्ययनों में उनके फायदों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, इस कारण इसके नकारात्मक प्रभावों की अनदेखी की गई है। यह अध्ययन ऑनलाइन सोशल नेटवर्क का उपयोग करने के तथाकथित 'काले पक्ष' पर मौजूदा सीमित काम पर आधारित है। यह ऑनलाइन सोशल नेटवर्क के सकारात्मक प्रभावों के साथ ही नकारात्मक प्रभावों को स्पष्ट करता है। अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने 2003 से 2018 तक प्रकाशित करीब 50 अध्ययनों की समीक्षा की। 2003 में सोशल मीडिया अपनी प्रारंभिक अवस्था में था। सोशल मीडिया के 46 हानिकारक प्रभावों में प्राइवेसी का उल्लंघन, धोखाधड़ी, घबराहट, आर्थिक जोखिम आदि भी पाए गए। यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सिडनी में प्रमुख शोधकर्ता लैला बोरून का कहना है कि सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभाव सिर्फ मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित नहीं हैं। इनमें ईर्ष्या, अकेलापन, चिंता और कम आत्मसम्मान, दुर्भावना जैसे नकारात्मक प्रभाव भी शामिल हैं।

नकारात्मक प्रभावों को छह श्रेणियों में बांटा:

शोधकर्ताओं ने कुल मिलाकर सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभावों को छह समूहों में बांटा- 'कॉस्ट ऑफ सोशल एक्सचेंज', 'गुस्सा दिलाने वाला कंटेंट', 'निजता संबंधी चिंताएं', 'सुरक्षात्मक खतरे', 'साइबरबुलिंग' और 'प्रदर्शन पर असर'। कॉस्ट ऑफ सोशल एक्सचेंज में मनोवैज्ञानिक नुकसान जैसे कि अवसाद, चिंता, ईर्ष्या और समय, ऊर्जा और पैसे की बर्बादी आदि शामिल हैं। गुस्सा दिलाने वाले कंटेंट में हिंसात्मक और नफरत फैलाने वाला कंटेंट साझा करने वाले यूजर शामिल हैं।

केमिकल ब्लीच की जगह सोने से पहले लगाएं घर का बना ये फेसपैक, निखर जाएगी रंगत

खूबसूरत दिखने के लिए त्वचा का रंग गोरा होना जरूरी नहीं है। अगर गोरे होने के बावजूद भी आपके चेहरे पर दाग-धब्बे हैं तो आपका आकर्षण कम हो सकता है। वहीं क्लियर स्किन भले ही सांवली हो, हर जगह तारीफ पाती है। कुछ लोग दाग-हटाने के लिए स्किन पर ब्लीच लगाते हैं। ब्लीच की अमोनिया स्किन को नुकसान पहुंचाती है। स्किन हेल्दी रहे इसके लिए आपको महंगी कॉस्मेटिक्स खरीदने की जरूरत नहीं। आप किचन और घर पर मौजूद सामान से भी त्वचा की रंगत निखार सकती हैं। यहां एक ऐसा घरेलू पैक है जिससे न सिर्फ चेहरे के दाग-धब्बे कम होंगे बल्कि रेग्युलर इस्तेमाल करने से चेहरे पर ग्लो आएगा।

आपको चाहिए

आप दागरहित निखरी त्वचा चाहती हैं तो सबसे पहले इसकी साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। वहीं सोते वक्त जब आप स्किन पर कुछ लगाती हैं तो रातभर इसे त्वचा पर असर दिखाने का वक्त मिल जाता है। लोग इसके लिए महंगी नाइटक्रीम या सीरम लगाते हैं। आप घर पर ही मैजिक क्रीम तैयार कर सकती हैं। इसके लिए आपको चाहिए ऐलोवेरा जेल। अगर आपके घर पर प्लांट है तो और भी अच्छी बात है वर्ना बाजार का ले सकते हैं। विटामिन ई कैप्सूल, हल्दी, नारियल तेल, केसर के लच्छे (अगर हैं तो)

ऐसे लगाएं

एक बार का मिक्सचर बनाने के लिए एक छोटी चम्मच ऐलोवेरा जेल लें। इसमें एक चुटकी हल्दी मिलाएं। अब इसमें दो बूंद नारियल का तेल और विटामिन ई कैप्सूल तोड़कर डालें। केसर के लच्छों को छोटा करके इसमें डालें और मिक्सचर को अच्छी तरह चला लें। मिक्सचर को 2, 3 घंटे तक रखा रहने दें। सोते वक्त पूरे चेहरे और गर्दन पर लगाकर छोड़ दें। सुबह पानी से मुंह धो लें।

होते हैं ये फायदे

आप इस मिक्सचर को बनाकर फ्रिज में भी रख सकते हैं। हल्दी ऐंटी बैक्टीरियल होती है जो कि ऐक्ने, पिंपल से बचाती है। साथ ही रंगत भी निखारती है। विटामिन ई स्किन के लिए काफी अच्छा माना जाता है, इससे झुर्रियों से बचाव होता है। ऐलोवेरा स्किन को नमी और ठंडक देता है वहीं नारियल का तेल स्किन से दाग-धब्बे हटाता है साथ ही सॉफ्टनेस बनाए रखता है।

इन गलतियों के कारण जल्दी खराब हो जाता है फ्रिज, कहीं आप तो नहीं कर रहे ये भूल?

ठंड हो या गर्मी, घरों में फ्रिज का सही तरह से काम करना बेहद जरूरी है। समय-समय पर हम फ्रिज का ध्यान रखते रहते हैं, लेकिन उसे लंबे समय तक ठीक रखना बेहद जरूरी होता है क्योंकि आजकल फ्रिज काफी महंगे आते हैं, ऐसे में अगर वह जल्दी खराब हो जाएंगे तो यह सही नहीं है। किसी भी फ्रिज के जल्दी खराब होने के पीछे कई सारे कारण हो सकते हैं। जैसे कंप्रेशर का खराब होना, वायरिंग में परेशानी आदि। लेकिन इसके अलावा भी कुछ आदतों के कारण फ्रिज जल्दी खराब हो जाता है। जानते हैं उन गलतियों के बारे में जिनकी वजह से फ्रिज जल्दी खराब हो जाता है।

1) कई बार फ्रिज में सामान गिर जाता है ऐसे में अगर वह अच्छे से साफ न हो तो इस गंदगी के कारण फंगस तक लग जाती है। ये फंगस फ्रिज के कई हिस्सों में लग सकती है। जो फ्रिज में रखे सामान के साथ फ्रिज के कई हिस्सों जैसे फ्रिज के दरवाजे, शेल्फ के किनारों और अंदर के पार्ट्स को खराब कर सकती है। फ्रिज को लंबे समय तक चलाने के लिए इसे रोजाना साफ करना चाहिए और हफ्ते में एक बार डीप क्लीनिंग करनी चाहिए।

2) फ्रिज में हर चीज को स्टोर किया जाता है। हम कई बार फ्रिज में सामान को ठीक से स्टोर करने के तरीकों को देखते रहते हैं लेकिन फिर भी सामान को ठीक तरह से स्टोर नहीं कर पाते हैं। ऐसे में कई लोगों के फ्रिज जरूरत से ज्यादा भरे रहते हैं जो फ्रिज के खराब होने का ये सामान्य कारण हो सकते हैं। फ्रिज में उतना ही सामान जिससे सामान आसानी से उठाया जा सके। फ्रिज के सभी हिस्सों का इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन इसे ज्यादा भरने से बचें।

3) किसी भी पार्टी के बाद सामान बचना लाजमी है और ऐसे में हर कोई इस सामान को कंटेनर में स्टोर करके फ्रिज में रखता है। लेकिन खाना स्टोर करने से पहले खाने के टेंपरेचर को चेक करना जरूरी है। ऐसे में अगर खाना गर्म हो तो फ्रिज में न रखें ये जल्द खराब हो सकता है।

4) कई बार फ्रिज को ज्यादा भरने के कारण फ्रिज का दरवाजा बंद ही नहीं होता है। ये दिखने में बंद लग सकता है लेकिन कई बार इसका दरवाजा ठीक से बंद न होने की वजह से फ्रिज के जल्दी खराब होने के चांस बढ़ जाते हैं। दरवाजा ठीक से बंद है या नहीं इसे चेक करने के लिए लगाने के बाद हल्का सा खींच कर देखें अगर आपकी पावर लग रही है तो समझ जाएं की ये अच्छे से बंद है।

टीके की मिली-जुली खुराक कोविड के खिलाफ अधिक प्रभावी, हालिया अध्ययन में खुलासा

स्वीडन में हुए एक हालिया अध्ययन के मुताबिक कोविड टीके की दो अलग-अलग खुराक संक्रमण के खिलाफ अधिक प्रभावी हैं। अध्ययन में देखा गया कि जिन लोगों को कोविड-19 टीके की पहली खुराक ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका मिली और उसके बाद उन्होंने एमआरएनए वैक्सीन शॉट लिया, उनमें एस्ट्राजेनेका की दोनों खुराक लेने वालों की तुलना में संक्रमण का जोखिम कम देखा गया। कोविड-19 के खिलाफ एस्ट्राजेनेका के टीके का उपयोग सुरक्षा चिंताओं के कारण 65 वर्ष से कम उम्र के लोगों के लिए रोक दिया गया था। स्वीडन में जिन्हें पहले ही इस टीके की पहली खुराक लग चुकी थी, उन सभी से दूसरी खुराक एमआरएनए टीके की लगवाने की सिफारिश की गई।

स्वीडन के उमिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर पीटर नॉर्डस्ट्रॉम ने कहा कि टीका न लगवाने से बेहतर किसी भी अप्रूव टीके की खुराक लेना है। वहीं एक टीका लगवाने से बेहतर टीके की दोनों खुराक लेना है। नॉर्डस्ट्रॉम ने कहा, 'हालांकि हमारे अध्ययन में पता चला है कि जिन लोगों ने एस्ट्राजेनेका टीके की खुराक लेने के बाद एमआरएनए टीका लगवाया, उनमें संक्रमण का जोखिम उन लोगों के मुकाबले काफी कम हुआ, जिन्होंने दोनों ही खुराक एस्ट्राजेनेका की लगवाई थीं।'

वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी, बताए सोशल मीडिया की लत के खतरनाक प्रभाव: यह अध्ययन द लैंसेट रीजनल हेल्थ में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन स्वीडन की पब्लिक हेल्थ एजेंसी, नेशनल बोर्ड ऑफ हेल्थ एंड वेलफेयर और स्टैटिस्टिक्स स्वीडन के राष्ट्रव्यापी रजिस्ट्री डेटा पर आधारित है। मुख्य विश्लेषण में लगभग 700,000 लोगों को शामिल किया गया। दूसरी खुराक के बाद ढाई महीने की औसत अवधि के दौरान अध्ययन में एस्ट्राजेनेका और फाइजर वैक्सीन शॉट्स लेने वालों में संक्रमण का जोखिम 67 प्रतिशत कम देखा गया। शोधकर्ताओं ने कहा कि टीका न लगवाने वालों की तुलना में एस्ट्राजेनेका और मॉडर्ना वैक्सीन शॉट्स लेने वालों में संक्रमण का जोखिम 79 प्रतिशत कम था। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को एस्ट्राजेनेका वैक्सीन की दोनों खुराकें दी गईं, उनमें संक्रमण का जोखिम 50 प्रतिशत कम था। एस्ट्राजेनेका को भारत में कोविशील्ड के नाम से जाना जाता है।

बिलावल भुट्टो ने साधा इमरान पर निशाना, कहा कि ISI को अपनी टाइगर फोर्स बनाना चाहते हैं पीएम

बेनजीर पर हमले की बरसी के दिन

बिलावल की पार्टी PPP प्रमुख विपक्षी पार्टी है

पाकिस्तान में 2023 में होने हैं आम चुनाव

चुनाव से पहले इमरान को घेरने की है कोशिश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद

पाकिस्तान में खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ के चीफ की पोस्टिंग को लेकर प्रधानमंत्री इमरान खान और पाकिस्तानी सेना के बीच चल रही खींचतान में अब विपक्षी दल भी कूद गए हैं। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के चेयरमैन बिलावल भुट्टो जरदारी ने इमरान पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएम ISI को अपनी राजनीतिक पार्टी की टाइगर फोर्स (गुरिल्ला दल) में बदलना चाह रहे हैं। बिलावल ने इमरान पर यह तंज कराची के बाग-ए-जिन्ना में रविवार को अपनी पार्टी की रैली के दौरान कसा। यह रैली बिलावल की मां और पाकिस्तान की पूर्व पीएम बेनजीर भुट्टो का देश निकाला खत्म होने के बाद देश में उनके काफिले पर हमले की बरसी पर आयोजित की गई। बेनजीर 2007 में वतन लौटी थीं। तब उनके काफिले पर कारसाज में हमला हुआ था।

देश के हर संवैधानिक संस्थान पर चाहते हैं कब्जा: पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक बिलावल ने कहा कि इमरान खान देश के सभी संवैधानिक संस्थानों पर अपना कब्जा चाहते हैं। वे सभी संस्थानों को अपनी टाइगर फोर्स में बदलना चाहते हैं। वह संसद, सीनेट, न्यायपालिका, श्चष्टक्ष पंजाब पुलिस और पंजाब की नौकरशाही पर हमला बोल चुके हैं। इसके लिए वह कई बार पंजाब पुलिस चीफ और मुख्य सचिव बदल चुके हैं। भुट्टो ने रैली के दौरान कहा, कोई भी संस्थान नहीं बचा है। यहां तक कि मीडिया को भी इमरान ने अपनी टाइगर फोर्स बनाने की कोशिश की है। वह सेना और ढ्ढस्ढ्ढ को भी अपनी टाइगर फोर्स में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। भुट्टो ने इस रैली का आयोजन कराची में अपने कार्यकर्ताओं को आगामी चुनावों को ध्यान में रखकर तैयार करने के लिए बुलाई थी।

पिछले साल कोरोना को लेकर बनाई थी टाइगर फोर्स

दरअसल, पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान ने पिछले साल अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के कार्यकर्ताओं की कोरोना रिलीफ टाइगर फोर्स बनाई थी, जिसे कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए लोगों से स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रॉसीजर का पालन कराने की जिम्मेदारी दी गई थी। बिलावल ने इसी टाइगर फोर्स का अपरोक्ष हवाला देते हुए इमरान पर ISI को लेकर तंज कसा है।

लगातार चल रहा टकराव

» मौजूदा ढ्ढस्ढ्ढ चीफ लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद का हो चुका ट्रांसफर

» पाक सेना प्रमुख जनरल बाजवा ने हमीद को ट्रांसफर किया पेशावर में

» इमरान खान को है लेफ्टिनेंट जनरल हमीद के ट्रांसफर पर ऐतराज

» अफगानिस्तान के हालात को देखकर रखना चाहते हैं हमीद को बरकरार

» बाजवा बना चुके हैं लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अहमद अंजुम को नया ISI चीफ

» इमरान खान के कार्यालय से सात दिन बाद भी नहीं दी गई इस नियुक्ति को मंजूरी

बिलावल भुट्टो ने इमरान सरकार की नीतियों को भी जनविरोधी बताया। साथ ही अपने कार्यकर्ताओं को सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते रहने के लिए प्रेरित किया।

सोशल मीडिया के 46 साइड इफेक्टः जॉब-पढ़ाई पर निगेटिव असर, वित्तीय जोखिम लेने को उकसाता है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज सिडनी

सोशल मीडिया से होने वाले दुष्प्रभावों में गोपनीयता की चिंता, सुरक्षा संबंधी खतरे, प्रदर्शन में कमी, सामाजिक लेन-देन के नुकसान, परेशान करने वाला कंटेंट और साइबर बुलीइंग जैसे जोखिम शामिल हैं। आपको लगता है कि सोशल मीडिया सिर्फ मानसिक रूप से परेशान करता है तो ऐसा नहीं है, इसके शारीरिक दुष्प्रभाव भी उतने ही भयंकर हैं। सिडनी की यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस्तेमाल करने के 46 नुकसान पहुंचाने वाले प्रभाव खोजे हैं।

ये नौकरी और पढ़ाई की क्षमता पर भी नकारात्मक असर डालते हैं। ज्यादा वित्तीय जोखिम लेने के लिए भी उकसाता है। इन दुष्प्रभावों में चिंता, अवसाद, उत्पीड़न के अलावा आत्महत्या के लिए उकसाना, साइबर स्टॉकिंग, अपराध, द्वेष, जानकारियों की अधिकता और ऑनलाइन सुरक्षा में कमी जैसे असर भी देखने को मिल रहे हैं। यूनिवर्सिटी के रिसर्च पेपर में दावा किया गया है कि सोशल मीडिया के मुद्दों में अब मानसिक सेहत के साथ नौकरी व शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ ही सुरक्षा और गोपनीयता भी शामिल हो गई है। शोधकर्ताओं के मुताबिक सोशल नेटवर्क पर अब तक हुई रिसर्च और स्टडी में इनके फायदों और क्षमता पर ही फोकस किया गया, जबकि स्याह पक्ष को नजरअंदाज कर दिया गया। ताजा शोध में शिक्षाविद् भी शामिल थे। इन्होंने 2003 से लेकर 2018 के बीच सोशल मीडिया पर हुई 50 से ज्यादा रिसर्च का रिव्यू किया। 2003 में सोशल मीडिया शुरुआती अवस्था में था, फेसबुक तो सालभर बाद अस्तित्व में आया था। स्टडी की प्रमुख लेखक लायला बोरून कहती हैं प्राइवेसी भंग करना, धोखा देना, घबराहट और दूसरों के साथ झगड़े जैसे प्रभाव चिंताजनक है। जर्नल ऑफ ग्लोबल इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट में प्रकाशित इस स्टडी में विशेषज्ञों ने इन साइड इफेक्ट्स को छह श्रेणियों में रखा है। इनमें गोपनीयता की चिंता, सुरक्षा संबंधी खतरे, प्रदर्शन में कमी, सामाजिक लेन-देन के नुकसान, परेशान करने वाला कंटेंट और साइबर बुलीइंग जैसे जोखिम शामिल हैं। समय, ऊर्जा और पैसों की बर्बादी को सामाजिक लेन-देन में होने वाले नुकसान से जोड़ा गया है। वहीं, हिंसक और आपत्तिजनक सामग्री जो यूजर को मानसिक रूप से विचलित करती हैं, इन्हें परेशान करने वाला कंटेट माना गया है।

जम्मू में हाल ही में गैर-स्थानीय लोगों पर हुए आतंकवादी हमलों के बाद प्रवासी मजदूर एक रेलवे स्टेशन पर पहुंचते हैं, क्योंकि वे राज्य छोड़ने की योजना बना रहे हैं।

अमृतसर से चुनाव लड़ें पॉपुलैरिटी पता चल जाएगी, पाकिस्तानी को घर में रखना ज्यादा खतरनाक

जालंधर। पंजाब कांग्रेस प्रधान नवजोत सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर सिद्धू ने कैप्टन अमरिंदर सिंह को खुला चैलेंज किया है। उन्होंने कहा कि कैप्टन अमृतसर ईस्ट से सिद्धू के खिलाफ चुनाव लड़ें, उन्हें सिद्धू और उनकी पॉपुलैरिटी का पता चल जाएगा। नवजोत कौर ने यहां तक कहा कि कैप्टन की टीम को ठहराने से लेकर उनके खाने तक का इंतजाम उनकी तरफ से होगा। नवजोत कौर ने अमरिंदर सिंह के अगले चुनाव में सिद्धू को न जीतने देने के बयान पर पहली बार यह प्रतिक्रिया दी। नवजोत कौर ने अमरिंदर सिंह के नवजोत सिद्धू को देश विरोधी कहे जाने पर भी कड़े तेवर दिखाए। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा होता तो सिद्धू देश के लिए नहीं खेलते। वे क्रिकेटर के तौर पर पाकिस्तान गए थे और संयोग से करतारपुर कॉरिडोर खुलने का रास्ता बन गया। सिद्धू को वहां मिला सम्मान कैप्टन को बर्दाश्त नहीं हुआ। पाकिस्तान से कोई नाता रखने की बजाय पाकिस्तानी को घर में रखना ज्यादा खतरनाक है। इशारों में उन्होंने पाकिस्तानी महिला पत्रकार अरुसा आलम से कैप्टन की दोस्ती पर सवाल खड़े किए। नवजोत कौर ने कैप्टन अमरिंदर को चुनौती देते हुए कहा कि अकाली दल ने भी सिद्धू को खत्म करने की कोशिश की थी, लेकिन कामयाब नहीं हुए। अकालियों ने सिद्धू का टिकट कटवाकर अरुण जेटली को अमृतसर से चुनाव लड़वाया। अमृतसर के लोगों ने सिद्धू के साथ हुई नाइंसाफी का बदला लिया और जेटली चुनाव हार गए।

न्यूज ब्रीफ

PAK भी गजब हैः पाकिस्तान में पिंकी पीरनी की चर्चा जोरों पर, विपक्ष का आरोप- इमरान इसके इशारे पर ही करते हैं फैसले, फौज भी खफा

10 दिन बाद ही सही, लेकिन पाकिस्तान में ISI के चीफ की नियुक्ति का मसला अब कुछ हद तक सुलझता नजर आ रहा है। माना जा रहा है कि आर्मी हेडक्वॉर्टर ने प्रधानमंत्री इमरान खान के पास समरी भेज दी है और सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो जनरल नदीम अंजुम कुछ दिनों में ISI चीफ बन जाएंगे। बहरहाल, इन सबके बीच कुछ अजीब खबरें भी फिजा में तैर रही हैं। कहा जा रहा है कि इमरान खान ने ढ्ढस्ढ्ढ चीफ के अपॉइंटमेंट को लेकर आर्मी चीफ से पंगा इसलिए लिया, क्योंकि पिंकी पीरनी ने उन्हें पुराने चीफ जनरल फैज हमीद को ही इस पद पर रखने के लिए कहा था। सवाल ये है कि ये पिंकी पीरनी कौन हैं? मुख्य विपक्षी नेता इशारे में जादू-टोने की बात क्यों कर रही हैं और क्यों इमरान के बड़बोले मिनिस्टर शेख रशीद भी उनका बचाव नहीं कर पा रहे। चलिए, कुछ रोचक बातें जानते हैं।

पहले जानिए कौन हैं पिंकी पीरनी: इमरान की पत्नी बुशरा बीबी को ही पिंकी पीरनी कहा जाता है। पाकिस्तान के सियासी गलियारों में यह चर्चा आम है कि बिना बुशरा से पूछे इमरान कोई फैसला नहीं लेते। इसकी कई मिसालें भी दी जाती हैं। वहां की मीडिया में भी गाहे-बगाहे इसका जिक्र होता आया है। बुशरा इमरान की तीसरी पत्नी हैं। इसके पहले वो जैमिमा गोल्डस्मिथ और रेहम खान से शादी कर चुके हैं। बुशरा के पहली शादी से पांच बच्चे हैं। हमेशा बुर्के में रहती हैं। हालांकि, इमरान से शादी के पहले के उनके कुछ फोटोज इंटरनेट पर मौजूद हैं। कहा जाता है कि वे टोने-टोटके और अंधविश्वास में गहरा यकीन रखती हैं और इमरान पर इसका असर साफ नजर आता है। हाल ही में बुशरा का मामला मुख्य विपक्षी नेता मरियम नवाज ने उठाया। उन्होंने पिंकी पीरनी का नाम लिए बगैर मीडिया से कहा- ये कैसा वजीर-ए-आजम (प्रधानमंत्री) है जो मुल्क में अहम नियुक्तियों के लिए टोने-टोटके और भूत-प्रेत का सहारा लेता है। ऐसे में अगर पाकिस्तान का दुनिया में तमाशा बन रहा है तो इसमें हैरानी की बात नहीं है। अगर जंतर-मंतर, भूत-प्रेत और जादू-टोना इतना ही कारगर है तो इसे मुल्क की भलाई के इस्तेमाल क्यों नहीं करते?

वाराणसी में जश्न ईद मिलाद उन नबी जुलूस में शामिल मुस्लिम समुदाय के लोग।

नॉर्थ कोरिया ने दागी बैलिस्टिक मिसाइलः तानाशाह किम जोंग के कदम से जापान हुआ चौकन्ना, अपने जहाजों के लिए अलर्ट जारी किया

सियोल। नॉर्थ कोरिया ने मंगलवार को अपने पूर्वी समुद्र तट से बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की। साउथ कोरिया की मिलिट्री ने ये जानकारी दी। जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अनुसार, मिसाइल को दक्षिण हामग्योंग प्रांत के सिनपो के आसपास से पूर्व की ओर लॉन्च किया गया था। भारतीय समयानुसार सुबह करीब 06.45 बजे ये लॉन्च डिटेक्ट किया गया। न्यूज एंजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के मुताबिक साउथ कोरिया और अमेरिका की इंटेलिजेंस अथॉरिटी ज्यादा जानकारी के लिए इस मामले का एनालिसिस कर रही हैं। यह लॉन्च ऐसे समय में आया है जब साउथ कोरिया, अमेरिका और जापान के टॉप न्यूक्लियर एनवॉय नॉर्थ कोरिया के साथ दोबारा बातचीत शुरू करने के संयुक्त प्रयासों पर चर्चा करने के लिए वॉशिंगटन में हैं। तीनों देश चाहते हैं कि नॉर्थ कोरिया को मानवीय सहायता और अन्य प्रोत्साहनों के जरिए बातचीत के लिए राजी किया जाए।

बिना किसी शर्त के बातचीत को तैयार अमेरिका: नॉर्थ कोरिया के लिए अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि सुंग किम ने कहा कि वह इस हफ्ते बातचीत के लिए साउथ कोरिया की राजधानी सियोल जाएंगे। सोमवार को वॉशिंगटन में अपने दक्षिण कोरियाई समकक्ष से मुलाकात के बाद किम ने ये भी कहा, %अमेरिका फिर से नॉर्थ कोरिया के साथ बातचीत शुरू करना चाहता है। हम बिना किसी शर्त के उनसे मिलने के लिए तैयार हैं।

लखीमपुर हिंसाः किसानों को रौंदने वाली जीप में सवार आरोपी सुमित गिरफ्तार

लखनऊ। लखीमपुर हिंसा में सोमवार को पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। प्रदर्शन कर रहे किसानों को कुचलने वाली थार जीप में सवार सुमित जायसवाल को पुलिस ने लखीमपुर से गिरफ्तार किया है। उसके साथ तीन अन्य को भी पकड़ा गया है। इन सभी को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा। सुमित का एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें वह जीप से उतरकर भागता हुए दिखा था। उसी ने किसानों के खिलाफ हत्या की स्नढ्ढक्र भी दर्ज कराई थी। जिसमें दावा किया था कि उनके ड्राइवर, दोस्त और दो भाजपा कार्यकर्ताओं को घटना के बाद पीट-पीटकर मार डाला गया था।

तत्काल होगा रिएक्शन

अरुणाचल में तेजी से बन रहे पुल-सुरंग, चीन के हरकत करते ही पहुंच पाएगी सेना

चीन सीमा तक तेजी से पहुंचने की तैयारी | बन रही हैं सड़कें, सुरंगें और रेलमार्ग | निगरानी को भी दी जा रही मजबूती | तैनात किए हैं ड्रोन, सैटेलाइट व चॉपर

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज रूपा

अरुणाचल प्रदेश में चीन को पूर्वी लद्दाख जैसी हरकत का मौका नहीं देने की तैयारी जोरों पर है। सेना को तेजी से मोर्चे तक पहुंचाने के लिए अरुणाचल सेक्टर में 1350 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सड़क और सुरंगों का जाल बिछाया जा रहा है। साथ ही इजराइल से मिले ड्रोन विमानों और विशेष हेलिकॉप्टरों के जरिये हाईटेक सर्विलांस सिस्टम भी तैयार किया गया है, जो हर छोटी हरकत की जानकारी तत्काल दे रहा है।

बनाए जा रहे हैं 20 पुल, समय से पहले पूरी होंगी सुरंगें: PTI की रिपोर्ट के मुताबिक, सीमा सड़क संगठन के एक इंजीनियर अनंत कुमार सिंह ने ब ताया कि अरुणाचल में सीमा तक तेजी से पहुंचने के लिए बहुत सारी सड़कें व सुरंगें बनाई जा रही हैं। करीब 20 बड़े पुल तैयार किए जा रहे हैं, जो टैंक जैसे भारी वाहनों का वजन सह सकते हैं।

तैनात कर दिए हैं इजराइल से मिले ड्रोन

सीमा तक तेजी से पहुंच बनाने के साथ ही पल-पल की हरकत की निगरानी पर भी जोर है। इसके लिए रात और दिन लगातार सर्विलांस किया जा रहा है। सर्विलांस के लिए रिमोट से चलने वाले एयरक्राफ्ट की फ्लीट लगाई गई है। इनमें इजराइल से मिले हेरोन ड्रोन की फ्लीट भी शामिल है, जो लंबे समय तक उड़ान भरकर अहम डाटा और तस्वीरें कमांड व कंट्रोल सेंटरों को भेज रहे हैं। भारतीय सेना की एविएशन विंग ने भी सर्विलांस के लिए अपने हेलिकॉप्टर उतारे हैं। एविएशन विंग ने एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर- रूद्र, का वेपन सिस्टम इंटिग्रेटिड संस्करण इसके लिए तैनात किया है, जिसने इस रीजन में भारत के सामरिक अभियानों को और ज्यादा मजबूती दी है।

बैटलफील्ड ट्रांसपेरेंसी बनाने की कोशिश

5 माउंटेन डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल जुबिन ए मीनावाला ने सोमवार को क्क्षढ्ढ से कहा कि हमारा टारगेट ज्यादा से ज्यादा बैटलफील्ड ट्रांसपेरेंसी तैयार करना है। इसके लिए सड़क ढांचे को मजबूत करने के साथ ही हाईटेक सर्विलांस उपकरणों की मदद ली जा रही है। सेना की 5 माउंटेन डिवीजन बूम ला से भूटान के पश्चिमी हिस्से तक सीमा की निगरानी का काम संभालती है। इसे भारतीय सेना की सबसे अहम तैनाती माना जाता है। मेजर जनरल जुबिन ने कहा, अब दुश्मन हमें सरप्राइज नहीं कर सकता।

लीबिया के एसएआर क्षेत्र में लीबिया से लगभग 35 मील दूर, सी वॉच -3 की एक टीम द्वारा बचाए जाने से पहले एक अनिश्चित रबर की नाव पर सवार प्रवासी पानी में समाप्त हो जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

डेनमार्क ओपन : पीवी सिंधू की नजरें जीत के साथ वापसी पर

ओडेन्से। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और मौजूदा विश्व चैम्पियन पी वी सिंधू मंगलवार से शुरू हो रहे डेनमार्क ओपन विश्व टूर सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के जरिये एक ब्रेक के बाद कोर्ट पर वापसी करेंगी तो उनका लक्ष्य जीत के साथ शुरूआत करने का होगा। टोक्यो ओलिम्पिक में कांस्य पदक जीतने के बाद सिंधू ने ब्रेक लिया था। अब वह कोरोना महामारी में निलंबन के बाद शुरू हो रहे बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर में अच्छा आगाज करने को बेताब होंगी। लंदन ओलिम्पिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल भी ग्रोइन की चोट से उबरकर वापसी करेंगी। चोट के कारण पिछले सप्ताह उबेर कप फाइनल में उन्हें पहले मैच से ही रिटायर होना पड़ा था। चौथी वरीयता प्राप्त सिंधू का सामना पहले मैच में तुर्की की नेसलिहान यिजिट से होगा जबकि साइना जापान की आया ओहोरी से खेलेगी। रियो ओलिम्पिक 2016 की रजत पदक विजेता सिंधू दूसरे दौर में थाईलैंड की बुसानन ओंगामरूगफान से खेल सकती है जिसमें जीतने पर मुकाबला पांचवीं वरीयता प्राप्त कोरियाई खिलाड़ी अन सियंग से हो सकता है। चिराग शेट्टी और सात्विक साइराज रांकिरेड्डी पर भी सभी की नजरें होंगी। 7वीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी पहले दौर में इंग्लैंड के कालम हेमिंग और स्टीवन स्टालवुड से खेलेगी। दोनों ने डेनमार्क में थॉमस कप फाइनल में चारों मैच जीते थे। पुरूष एकल में लक्ष्य सेन पहले दौर में हमवतन सौरभ वर्मा से खेलेंगे। लक्ष्य सुदीरमन कप और थॉमस कप के लिये भारतीय टीम में जगह नहीं बना सके थे। ट्रायल में एकमात्र मैच हारने के बाद उन्हें बाहर रहना पड़ा लेकिन रविवार को डच ओपन में उपविजेता रहकर उन्होंने वापसी की। किदाम्बी श्रीकांत और बी साइ प्रणीत सुदीरमन कप और थॉमस कप फाइनल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। वे पहले दौर में एक दूसरे से खेलेंगे। विजेता को अगले दौर में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जापान के केंतो मोमोता का सामना करना होगा।

नॉरी और बाडोसा ने पहली बार इंडियन वेल्स खिताब जीता

इंडियन वेल्स। कई बड़े खिलाड़ियों ने कोरोना महामारी के कारण देर से आयोजित बीएनपी परीबस ओपन में भाग नहीं लिया तो कई बड़े नाम उलटफेर का शिकार हो गए। नतीजतन दो ऐसे खिलाड़ी चैम्पियन बने जो विश्व रैंकिंग में शीर्ष 25 में भी नहीं हैं। ब्रिटेन के कैमरन नॉरी ने निकोलोज बासिलाश्विली को 3.6, 6.4, 6.1 से हराकर पुरूष एकल खिताब जीता। वहीं स्पेन की पाउला बाडोसा ने विक्टोरिया अजारेंका को 7.6, 2.6, 7.6 से मात देकर खिताब अपने नाम किया। वह पहली बार खेलते हुए यह टूर्नामेंट जीतने वाली तीसरी महिला बन गई। नोवाक जोकोविच, रफेल नडाल, रोजर फेडरर, नाओमी ओसाका और सेरेना विलियम्स ने इस टूर्नामेंट से नाम वापिस ले लिया था। वहीं दानिल मेदवेदेव और कैरोलिना प्लिसकोवा जैसे शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी उलटफेर का शिकार हो गए। नॉकी और बाडोसा ने अपने कैरियर का सबसे बड़ा खिताब जीता और 12 लाख डॉलर भी अपनी झोली में डाले।

बाबर आजम की खेल भावना : वार्मअप मैच में हेटमायर को दिया जीवनदान; पवेलियन लौट रहे थे, लेकिन वापस बुला लिया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद

बाबर आजम ने टी20 वर्ल्ड कप में भारत के साथ 24 अक्टूबर से भिड़ने से पहले ही सबका दिल जीत लिया है। सोमवार को वॉर्मअप मैच में न केवल वेस्टइंडीज को 7 विकेट से मात दी, बल्कि मैच के दौरान खेला भावना का परिचय देते हुए शिमरन हेटमायर को जीवन दान दिया। दरअसल सोमवार को खेले गए वार्मअप मैच में वेस्टइंडीज की पारी के 15 वें ओवर की 5 वीं गेंद को शिमरन हेटमायर ने पुल करने की कोशिश की, जो विकेटकीपर मोहम्मद रिजवान के पास चली गई। इसके बाद तेज गेंदबाज हसन अली और उनकी टीम की ओर से आउट की अपील की गई।

जिसके बाद अंपायर ने उन्हें आउट करार दिया। वहीं हेटमायर ने गले की चेन पकड़कर बताने की कोशिश करने लगे कि जो आवाज आई है वह उनकी चेन से टकराने की वजह से आई है। अंपायर ने उनकी बात नहीं मानी, जिसके बाद हेटमायर पवेलियन की ओर लौटने लगे, तभी बाबर ने खेल भावना का परिचय देते हुए हेटमायर को वापस बुला लिया। बाबर की इस खेल भावाना की काफी तारीफ हो रही है।

वेस्टइंडीज ने बनाए 130 रन

पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 130 रन ही बना पाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम ने 15.3 ओवर में 3 विकेट गंवाकर जीत हासिल कर ली।

बाबर ने बनाई हाफ सेंचुरी

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने पहले ही मैच में 41 गेंदों पर 50 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और एक छक्का लगाया। वहीं फखर जमा ने 46 रन की नाबाद पारी खेली।

भारत के साथ पाकिस्तान सुपर-12 में ग्रुप-2 में

भारत के साथ पाकिस्तान सुपर-12 में ग्रुप-2 में शामिल है। भारत को अपना पहला मैच पाकिस्तान के साथ ही 24 अक्टूबर को खेलना है। भारत और पाकिस्तान के अलावा इस ग्रुप में अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड की टीम शामिल है। इनके अलावा क्वालिफाइंग करने वाले ग्रुप-2 की टॉप दो टीमें भी शामिल होंगी।

क्या भारत से डर गया बांग्लादेश...

स्कॉटलैंड से हार के बाद उठे सवाल, अब बांग्लादेश टीम इंडिया के ग्रुप में आने से बच सकता है

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

टी-20 वर्ल्ड कप के पहले दिन ही बड़ा उलटफेर हुआ। क्वालिफायर ग्रुप-बी के मुकाबले में बांग्लादेश को स्कॉटलैंड के हाथों 6 रन से हार झेलनी पड़ी। इस नतीजे के बाद यह सवाल उठ रहा है कि क्या बांग्लादेश इस मैच में जानबूझ कर हारा? क्या बांग्लादेश टीम इंडिया की डर से यह मैच हारा? ऐसे सवाल क्यों उठ रहे हैं और बांग्लादेश की इस हार का टूर्नामेंट पर आगे क्या असर होगा यह हम आपको विस्तार से बता रहे हैं।

पहले जानते हैं कि क्या है इस वर्ल्ड कप का फॉर्मेट

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत क्वालिफायर मुकाबलों के साथ हुई है। क्वालिफाइंग राउंड में 8 टीमों को 4-4 की संख्या में दो अलग-अलग ग्रुपों (ग्रुप-ए और ग्रुप बी) में डाला गया है। दोनों ग्रुप की टॉप-2 टीमें सुपर-12 में एंट्री करेंगी। सुपर-12 इस वर्ल्ड का दूसरा राउंड है। इसमें भारत, पाकिस्तान सहित 8 टीमें पहले ही मौजूद हैं।

बांग्लादेश की हार से क्या होगा

बांग्लादेश क्वालिफाइंग राउंड के ग्रुप बी में है। इसमें में नंबर-1 रहने वाली टीम सुपर-12 के ग्रुप-2 में जाएगी। इस ग्रुप में भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान की टीमें हैं। वर्ल्ड कप में सुपर-12 के अलावा सेमीफाइनल और फाइनल मैच॰श्व में खेले जाने हैं।८श्व की पिचों पर एशियन टीमों के सामने बांग्लादेश की चुनौती कमजोर हो सकती है। ऐसी स्थिति न आए इसके लिए बांग्लादेश को क्वालिफाइंग राउंड में अपने ग्रुप में टॉप पर आने से बचना होगा। स्कॉटलैंड के खिलाफ हार से यह संभावना काफी मजबूत हो गई है कि बांग्लादेश अब शायद अपने ग्रुप में टॉप पर न आए।

उल्टा भी पड़ सकता है दांव

वैसे यह कहना तो सही नहीं होगा कि बांग्लादेश जानबूझ कर हारा है, लेकिन अगर उसने भारत और पाकिस्तान जैसी टीमों से बचने के लिए ऐसा किया है तो यह दांव उल्टा भी पड़ सकता है। क्वालिफाइंग राउंड में बांग्लादेश के ग्रुप में ओमान भी मौजूद है। ओमान ने अपने पहले मैच में पापुआ न्यू गिनी को एकतरफा अंदाज में 10 विकेट से हराया। अगर ओमान की टीम बांग्लादेश को हरा देती है तो फिर बांग्लादेश के लिए सुपर-12 राउंड में जगह बनाना मुश्किल होगा।

क्या पहले अन्य टीमों पर भी लगे हैं ऐसे आरोप

1992 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड की टीम पर इसी तरह का आरोप लगा था। उस वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड की टीम ने पहले सात लीग मैच लगातार जीते थे। आखिरी लीग मुकाबले में उसका सामना पाकिस्तान से था। अगर कीवी टीम वह मैच जीत जाती तो सेमीफाइनल में उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया में खेलना पड़ता। हार की स्थिति में न्यूजीलैंड को अपने घर में पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल खेलना होता। न्यूजीलैंड आखिरी लीग मैच में पाकिस्तान से हार गया। हालांकि, पाकिस्तान ने सेमीफाइनल में उसे फिर से पटखनी दे दी और आखिरकार उस वर्ल्ड कप का चैंपियन भी बन गया। 2007 टी-20 वर्ल्ड कप तो आपके जेहन में जरूर होगा; भारत तब चैंपियन जो बना था। उस वर्ल्ड कप में भारत का एक मैच साउथ अफ्रीका से था। अगर भारतीय टीम वह मैच हार जाती तो उसके ऊपर खिताब जीतने की होड़ से बाहर होने का खतरा था। वहीं, साउथ अफ्रीकी टीम वह मैच जीत जाती तो सेमीफाइनल में उसकी भिड़ंत ऑस्ट्रेलिया से हो सकती थी।

क्वालिफायर ग्रुप-ए के मैच में श्रीलंका ने नामीबिया को हराया

आयरलैंड की जीत के साथ शुरुआत

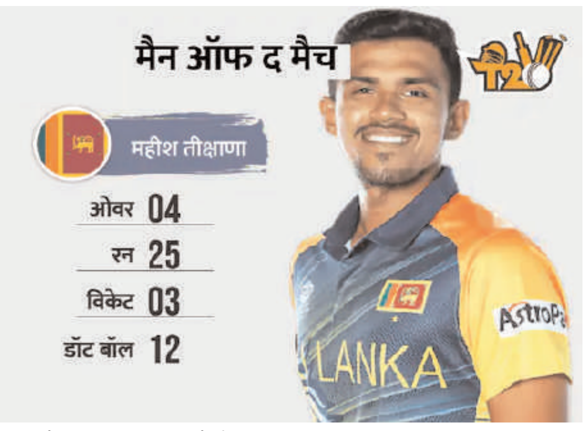

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज दुबई

टी-20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर राउंड के दूसरे दिन श्रीलंका और आयरलैंड ने ग्रुप-ए में जीत के साथ शुरुआत की। श्रीलंका ने अफ्रीकी टीम नामीबिया को एकतरफा मुकाबले में सात विकेट से हराया। वहीं, आयरलैंड ने नीदरलैंड को सात विकेट से मात दी।

दूसरा मुकाबला खेल रहे महीश बने स्टार

श्रीलंका की जीत में अपना दूसरा टी-20 अंतरराष्ट्रीय खेल रहे महीश तीक्षणा स्टार बने। उन्होंने 25 रन देकर तीन विकेट लिए। इसकी बदौलत श्रीलंका ने नामीबिया की पारी को 19.3 ओवर में सिर्फ 96 रन पर समेट दिया। जवाब में श्रीलंका ने 13.3 ओवर में तीन विकेट खोकर टारगेट को हासिल कर लिया। महीश मैन ऑफ द मैच चुने गए। ग्रुप ए के एक अन्य मैच में नीदलरैंड की टीम आयरलैंड की चुनौती के आगे बिल्कुल नहीं टिक पाई। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए नीदरलैंड 20 ओवर में सिर्फ 106 रन बना सकी। इसमें से 51 नाबाद रन अके ओपनर मैक्स ओडाउड ने बनाए। आयरलैंड ने लिए कर्टिस कैंफर ने चार विकेट लिए। जवाब में आयरलैंड ने 15.1 ओवर में तीन विकेट खोकर जीत के टारगेट को हासिल कर लिया। गैरेथ डेलनी ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए।

चेन्नई । आलराउंडर विजय शंकर आगामी सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट में चोटिल दिनेश कार्तिक की जगह तमिलनाडु की अगुआई करेंगे। तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए) ने सोमवार को यह घोषणा की। टीएनसीए की यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार आदित्य गणेश को कार्तिक के विकल्प के तौर पर चुना गया है। विकेटकीपर बल्लेबाज एन जगदीशन को टीम का उप कप्तान बनाया गया है। तमिलनाडु की चयन समिति के प्रमुख एस वासुदेवन ने बताया, 'हमें बताया गया है कि दिनेश कार्तिक के घुटने में चोट है।'

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS

रोहित और केएल राहुल ही करेंगे ओपनिंग; ईशान किशन ने प्रैक्टिस मैच में 70 रन की ओपनिंग पारी खेली : कोहली

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इंग्लैंड के खिलाफ वार्म अप मैच को भारत ने 7 विकेट से जीत लिया। इस मैच में भले ही ईशान किशन ने 70 रन की ओपनिंग पारी खेली हो, लेकिन टी20 वर्ल्ड कप में उनके खेलने पर संशय है। भारतीय टीम के कैप्टन विराट कोहली ने मैच से पहले यह स्पष्ट कर दिया कि टी20 वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा और केएल राहुल ही बतौर ओपनर उतरेंगे। वहीं वह नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने आएंगे। इससे पहले कोहली ने कहा था कि वर्ल्डकप में वह भी ओपनिंग कर सकते हैं। ईशान ने इंग्लैंड के खिलाफ प्रैक्टिस मैच में 46 गेंदों पर 70 रन की नाबाद पारी खेली। अपनी पारी में उन्होंने 7 चौके और 3 छक्के

लगाए। इसके अलावा उन्होंने IPL की आखिरी दो पारियों में 84 और नाबाद 60 रन बनाए। हैदराबाद के खिलाफ ईशान ने 32 गेंद पर से 84 रन बनाए थे। उन्होंने अपनी पारी में 11 चौके और 4 छक्के लगाए थे। वहीं अगर पिछले 10 पारियों की बात करें तो उन्होंने 4 मैच में 50 से अधिक रन बनाए हैं

राहुल ने पिछले 7 मैचों में 3 हाफ सेंचुरी बनाई हैं

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद केएल राहुल ने 7 टी20 मुकाबले में तीन हाफ सेंचुरी लगाई हैं। यही नहीं उन्होंने हर मैच में 20 से अधिक रन बनाए हैं। उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 42 गेंदों पर नाबाद 98 रन की पारी खेली थी। उन्होंने अपनी पारी में 7 चौके और 8 छक्के लगाए थे। इंग्लैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में भी राहुल ने अपने फॉर्म को बरकरार रखा। उन्होंने 24 गेंद पर 51 रन बनाए। 6 चौके और 3 छक्के लगाए।

6 टी20 मुकाबले में रोहित नहीं लगा पाए हैं हाफ सेंचुरी:- इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज की बाद रोहित शर्मा ने 6 टी20 मुकाबले खेले हैं, लेकिन वे एक भी मैच में 50 रन नहीं बना सके हैं। आखिरी की चार मैचों की बात की जाए तो वह एक ही मैच में 20 से अधिक रन बना सके हैं, लेकिन टी20 में शानदार रिकॉर्ड के कारण पाकिस्तान के खिलाफ उनका खेलना तय है। ऐसे में ईशान किशन को ओपनिंग करने का मौका नहीं मिलेगा। वहीं रोहित 20 अक्टूबर को होने वाले प्रैक्टिस मैच में उतर सकते हैं। वे इंग्लैंड के खिलाफ प्रैक्टिस मैच में नहीं उतरे थे। कोहली की बात की जाए तो इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाद उन्होंने 9 टी20 मुकाबले में 2 हाफ सेंचुरी लगाई हैं। वहीं आखिरी 6 मैचों की बात करें तो वह एक भी मैच में 40 रन भी नहीं बना सके हैं। 3 मैचों में 20 रन तक नहीं पहुंच सके।

न्यूज ब्रीफ

बिजली उत्पादन, माल ढुलाई में आई कमी

नई दिल्ली। आर्थिक गतिविधियों के साप्ताहिक संकेतकों ने बिजली उत्पादन में कमी और रेल माल ढुलाई में वृद्धि के बीच कमजोरी के कुछ संकेत दिखाए। 17 अक्टूबर, 2021 को समाप्त सप्ताह के अंतिम तीन दिनों में बिजली उत्पादन में तेज गिरावट के साथ धीमी वृद्धि हुई जिसके लिए कोयले की कमी को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। यह 2019 और 2020 में इसी सप्ताह की तुलना में अधिक रहा। देश भर में बिजली संयंत्रों ने पिछले सप्ताह की तुलना में 17 अक्टूबर, 2021 को समाप्त सप्ताह के दौरान प्रति दिन औसतन लगभग 390 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन किया जो इससे पहले हफ्ते की तुलना में कम है। साल 2020 की तुलना में बिजली उत्पादन 10 प्रतिशत से अधिक था। यह संख्या 2020 में इस अवधि के दौरान बिजली उत्पादन में तेज गिरावट को दर्शाती है। भारतीय रेलवे द्वारा की जाने वाली माल ढुलाई की मात्रा में वृद्धि कम होकर 6.1 प्रतिशत तक रह गई। पिछले सप्ताह यह 10.1 फीसदी थी। माल ढुलाई से होने वाली कमाई में वृद्धि पहले के 21.6 प्रतिशत से कम होकर 18.7 प्रतिशत हो गई। ताजा आंकड़े 2020 में इसी अवधि की तुलना में, इस साल 17 अक्टूबर को समाप्त सात दिनों में वृद्धि दर्शाते हैं। कोयले और कोक (कोयले से उत्पादित ईंधन) में कमी की खबरों के बीच इसकी मात्रा में 27.8 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। वैश्विक लोकेशन प्रौद्योगिकी कंपनी टॉमटॉम इंटरनैशनल के आंकड़े दर्शाते हैं कि ताजा सप्ताह में यातायात कम थी।

अधिक सुधारों की राह खुलेगी : एअर इंडिया की बिक्री को आईएमएफ ने बताया मील का पत्थर

» निजीकरण के अधिकतम लाभ के लिए सॉलिड रेगुलेटरी फ्रेमवर्क जरूरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने एअर इंडिया की बिक्री को भारत में निजीकरण की कवायद में मील का पत्थर करार दिया है। भारत सरकार के इस फैसले का IMF-STI रीजनल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर और आईएमएफ इंडिया मिशन के पूर्व प्रमुख अल्फ्रेड शिपका ने स्वागत किया है।

2,700 करोड़ कैश और 15,300 करोड़ के कर्ज में बिक रही

घाटे में चल रही एअर इंडिया को टाटा ग्रुप ने खरीदा है। उसे सरकार ने 11 अक्टूबर को लेटर ऑफ इंटेंट जारी किया था। सरकार कंपनी को 2,700 करोड़ रुपए के कैश के अलावा 15,300 करोड़ रुपए के कर्ज के साथ बेच रही है। उसने टाटा ग्रुप के टैलेस का ऑफर इसी महीने स्वीकार किया था।

टाटा को एअर इंडिया और AISATS में 50 फीसदी शेयर मिलेंगे

जब टाटा ग्रुप सरकार के लेटर ऑफ इंटेंट को स्वीकार करेगी, तब उनके बीच एअर इंडिया के लिए शेयर परचेज एग्रीमेंट होगा। डील के तहत टाटा को एअर इंडिया के साथ AISATS में उसकी 50 फीसदी हिस्सेदारी और एअर इंडिया एक्सप्रेस का मालिकाना हक मिलेगा।

अधिकतम लाभ के लिए मीडियम टर्म प्राइवेटाइजेशन प्लान जरूरी

भारत पर तैयार की गई आईएमएफ की एनुअल रिपोर्ट में शिपका ने कहा कि निजीकरण का ज्यादा से ज्यादा फायदा पाने में उसके मीडियम टर्म प्लान, सॉलिड रेगुलेटरी फ्रेमवर्क, कॉम्पिटिटिव मार्केट और अहम स्टेकहोल्डर के निवेश में इजाफे की बड़ी अहमियत होती है। इसके लिए निजीकरण के बुरे असर को कम से कम रखना और सोशल सेफ्टी नेट को मजबूत करना जरूरी होता है।

रिपोर्ट में मोदी सरकार के 130 से ज्यादा नीतिगत फैसलों का जिक्र

आईएमएफ की एनुअल रिपोर्ट में इकोनॉमी को उदार बनाने और उसमें सुधार लाने के लिए पिछले एक साल में उठाए गए मोदी सरकार के 130 से ज्यादा नीतिगत फैसलों का जिक्र है। शिपका ने रिपोर्ट में दो अहम कदमों का जिक्र किया, जिनमें से एक कोविड के दौरान जरूरतमंद गरीब लोगों को मुफ्त अनाज मुहैया कराना और दूसरा, निजीकरण को बढ़ावा देना शामिल है।

ब्याज दरों में कटौती को RBI ने अहम कदम उठाया

शिपका ने कहा, %रिजर्व बैंक ने अकमोडेटिव स्टांस (सिस्टम में नकदी बढ़ाने के लिए ब्याज दरों में कटौती वाला रुख अपनाना) लेते हुए ब्याज दरों में कटौती करके मॉनेटरी पॉलिसी के मोर्चे पर अहम कदम उठाया। RBI के उठाए गए कदमों से फरवरी 2020 से मार्च 2021 के बीच इकोनॉमी में GDP के 6 फीसदी से ज्यादा की नकदी आई। शिपका के मुताबिक, %उम्मीद है कि बैंकिंग और फाइनेंशियल सेक्टर में निजीकरण के शुरुआती कदमों से अधिक आर्थिक सुधारों का रास्ता खुलेगा। सेक्टर में सरकार का दखल कम होगा जिससे अंततः सेक्टर में ज्यादा मजबूती आएगी। लेबर मार्केट रिफॉर्म बिल जैसे बुनियादी सुधार भी स्वागतयोग्य कदम हैं।%

सितंबर में देश में 70.66 लाख यात्रियों ने की हवाई यात्रा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोरोना महामारी का प्रकोप कम होने के साथ ही हवाई यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी है। नागर विमानन महानिदेशालय के अनुसार सितंबर में देश में करीब 70.66 लाख यात्रियों ने हवाई यात्रा की। ये सितंबर 2020 के मुकाबले 79 फीसदी ज्यादा है। तब 39.43 लोगों ने सितंबर में हवाई यात्रा की थी। इससे पहले अगस्त में 67.01 लाख यात्रियों ने हवाई यात्रा की। DGCA के अनुसार जुलाई में 50.07 लाख, जून में 31.13 लाख, मई में 21.15 लाख और अप्रैल में 57.25 लाख लोगों ने हवाई यात्रा की थी।

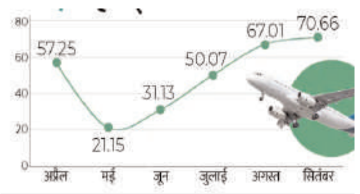

इंडिगो रही सबसे आगे

सितंबर महीने में यात्रियों ने सबसे ज्यादा यात्रा इंडिगो से की। सितंबर में घरेलू बाजार में 56.2 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 39.69 लाख लोगों ने यात्रा की, जबकि स्पाइसजेट से 6.02 लाख यात्रियों ने यात्रा की। इस दौरान स्पाइसजेट की बाजार में 8.5 फीसदी हिस्सेदारी रही। आंकड़ों के मुताबिक एयर इंडिया से 8.53 लाख, गो फर्स्ट से 5.8 लाख, विस्तार से 6.12 लाख और एयर एशिया इंडिया के विमानों से सितंबर में 4.13 लाख लोगों ने यात्रा की।

पंक्चुअलिटी के मामले में भी इंडिगो टॉप पर

अपने गंतवय पर समय पर पहुंचने यानी पंक्चुअलिटी के मामले में भी इंडिगो टॉप पर रही। सितंबर में इंडिगो ने चार मेट्रो हवाई अड्डों-बेंगलुरु, दिल्ली, हैदराबाद और मुंबई में 95.5 फीसदी समय पर पहुंची। वहीं एयर एशिया इंडिया और गो फर्स्ट इन चार हवाई अड्डों पर समय का पालन करने के मामले में क्रमशः 95.1 फीसदी और 94.4 फीसदी के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर थे।

18 अक्टूबर से पूरी क्षमता के साथ उड़ान

18 अक्टूबर 2021 से एयरलाइंस 100 फीसदी यात्री क्षमता के साथ उड़ सकेंगी। इससे पहले एयरलाइंस घरेलू सेवाओं में अपनी कुल यात्री क्षमताओं का 85 फीसदी का ही संचालन कर रही थी।

दिल्ली, तमिलनाडु में बढ़ रहा बिजली से खाना बनाने का चलन

नई दिल्ली। दिल्ली, तमिलनाडु, तेलंगाना, असम और केरल उन राज्यों में हैं, जहां खाना बनाने में बिजली का इस्तेमाल बढ़ा है। ऊर्जा, पर्यावरण एवं जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) के एक अध्ययन में यह सामने आया है। इन राज्यों के लोग रसोई गैस (एलपीजी) की जगह ई-कुकिंग उपकरण जैसे इंडक्शन कुकटॉप्स, राइस कुकर और माइक्रोवेव ओवन चुन रहे हैं। सीईईडब्ल्यू ने अध्ययन में पाया है, दिल्ली और तमिलनाडु में 17 प्रतिशत परिवारों ने इलेक्ट्रिक कुकिंग का कोई न कोई प्रारूप चुना है, जबकि तेलंगाना में इसकी स्वीकार्यता 15 प्रतिशत है। केरल और असम में 12 प्रतिशत लोगों ने आंशिक रूप से ई-कुकिंग चुना है। सीईईडब्ल्यू के अध्ययन में पाया गया है कि ई-कुकिंग की शहरी परिवारों में पहुंच 10.3 प्रतिशत है।

APPOINTMENTS
ITDC NEWS
Reputed business Hindi daily of Madhya Pradesh is required
POSTINGS AT BHOPAL MP
SALES AD TEAM LEADER
5 years experience in print media
EXECUTIVE SPACE SALES
Degree in any discipline, prefer BBA
News Reporter
Degree in any discipline, Prefer BJ

Send resume hr.itdcnews@gmail.com, and whatsapp on 9826073332 in 3 days

परोपकार
भी, रोजगार भी
प्रति माह
50 हज़ार या अधिक भी
अर्जन कर सकते हैं.
बिना किसी पूंजी,
बिना तकनीकी योग्यता

बेरोजगार
एवं बेहतर जॉब या कार्य संतुष्टि चाहने वाले भाई बहन आगामी
अर्थसम्मेलन 21
20 नवंबर 2021, 3.00PM
(वर्चुअल ज़ूम पर, सीमित स्थान) में भाग लें.
अपनी सीट बुकिंग गूगल आवेदन फॉर्म लिंक हेतु
YES, I AM WILLING.
(name, state, mob. no.)
निम्न मोबाइल व्हाट्सएप्प न. पर लिखें.
+91 9826 22 00 22
green DONOR हरित वीर वाहिनी
www.greendonor.in
माँ प्रकृति सँवार, संवर्धन, संरक्षण, के लिए समर्पित.

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com
मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,
विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत
मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।
आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।
आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।